दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 31 | अंकः 230 | भोपाल, बुधवार 2 सितंबर 2026 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

कृषकों से मूँग की उपज का 60 प्रतिशत तक का उपार्जन किए जाने वाले निर्णय का अनुसमर्थन

वीबी जी राम जी योजना के लिए 29 हजार 619 करोड़ रुपए का अनुसमर्थन

प्रदेश के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 41 हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक के महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों और जनकल्याणकारी निर्णयों को स्वीकृति प्रदान की। राज्य में ग्रामीण विकास के ढांचे को गति देने के लिए 'विकसित भारतः वीबी जी राम जी योजना' के क्रियान्वयन के लिये 29 हजार 619 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया। इसके साथ ही प्रदेश की सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए पश्चिम भोपाल बायपास 4-लेन निर्माण के लिए 3 हजार 774 करोड़ रुपये और मेहलुआ-बीना-खिमलासा-मालथौन मार्ग के लिए 3 हजार 272 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिससे राज्य में औद्योगिक और सभी तरह के आवागमन को नई ऊर्जा मिलेगी। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन और गुणवत्ता विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) का पुनर्गठन कर भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तीन नए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक सशक्तिकरण और 'सांची' ब्रांड के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से 2 हजार 973 करोड़ रुपये की डेयरी विकास योजना को मंजूरी दी गई। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चिकित्सा उपकरणों और विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। किसानों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए पंजीकृत कृषकों से ग्रीष्मकालीन मूंग की उपज के उपार्जन सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने के निर्णय का अनुसमर्थन किया गया। साथ ही नवगठित जिलों मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा और निवाड़ी में प्रशासनिक व्यवस्था को

सुचारू बनाने के लिए सामाजिक न्याय और आयुष विभागों में नए पदों के सृजन को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। वीबी जी राम जी योजना के क्रियान्वयन के लिए 29 हजार 619 करोड़ रुपए का अनुसमर्थन मंत्रि-परिषद ने रविकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण) : वीबी जी राम जी योजना मध्यप्रदेश और इसके 1 जुलाई 2026 से प्रभावशील किए जाने का अनुसमर्थन किया। योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-2027 में अनुमानित लागत रुपये 3,183 करोड़ रुपए तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना की निरंतरता के लिए कुल अनुमानित लागत 26,436 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया। केंद्र और राज्य का अंश 60:40 के अनुपात में होगा, जिसमें राज्यांश 10 हजार 574 करोड़ रुपए होगा। इन पाँच वर्षों में प्रशासनिक व्यय के लिए 946 करोड़ रुपए का व्यय होगा, जो राज्य शासन वहन करेगा। निर्णय अनुसार नई योजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत परिवारों के इच्छुक वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अब 100 दिन के स्थान पर 125 दिनों के श्रमजन्य रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। रोजगार के दिनों में की गई यह वृद्धि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। नई योजना का मुख्य आधार 'विकसित भारत @2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण बुनियादी ढांचे को तैयार करना है। अब प्रत्येक ग्राम पंचायत जी आई एस आधारित तकनीक, 'पीएम गति शक्ति' लेयर्स और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके 'विकसित ग्राम पंचायत योजना' तैयार करेगी। इन योजनाओं को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से 'विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक' में समेकित किया जाएगा। योजना अंतर्गत जल सुरक्षा, जलवायु- अनुकूल इंजीनियरिंग, डेटा साइंस और अत्याधुनिक आजीविका मॉडल जैसे तकनीकी कार्यों के प्रभावी संपादन के लिए मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद में एक समर्पित राज्य-स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाई स्थापित की जाएगी। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य में प्राप्त होने वाले वित्तीय आवंटन को पारदर्शी और आवश्यकता-आधारित बनाने के लिए ग्राम पंचायतों को विकास मानदंडों के आधार पर क, ख, ग श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। योजना में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति, डिजिटल मस्टर रोल और प्रत्येक छह माह में सामाजिक अंकेक्षण को अनिवार्य किया गया है। साथ ही त्वरित शिकायत निवारण के लिए प्रत्येक जिले में एक 'लोकपाल' की नियुक्ति की जाएगी, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिकायतों का निराकरण करेंगे। मंत्रि-परिषद ने अंतरिम व्यवस्था के तहत नई परिषद के पूर्ण गठन/पंजीकरण तक वर्तमान 'मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद' को ही इस नई योजना के समस्त दायित्वों के निर्वहन के लिए अधिकृत किया है।

छात्रों के आंदोलन पर दर्ज 129 एफआईआर रद्द

सरकार ने निभाया वादा; सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 5 सितंबर का मार्च भी रद्द

नई दिल्ली। पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के आंदोलन से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए दिल्ली समेत पांच राज्यों में दर्ज 129 एफआईआर को रद्द कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दिए गए आश्वासन के बाद यह कार्रवाई हुई। सरकार ने आंदोलन वापस लेने की शर्त पर छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने का वादा किया था। अब केंद्र के साथ बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और असम ने भी संबंधित मामलों को वापस लेने की मांग की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए मामलों को खत्म करने का आदेश दिया।

अदालत ने साफ कहा कि रद्द की गई एफआईआर अब इतिहास हैं और इनके आधार पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। इस फैसले के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों से जुड़े संगठन ने 5 सितंबर को प्रस्तावित मार्च रद्द करने का फैसला किया है। यानी आंदोलन के दौरान सरकार और छात्रों के बीच बना टकराव अब बातचीत और न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए खत्म होने की दिशा में बढ़ गया है।

दिल्ली में 13, बिहार में 69 एफआईआर

पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के दौरान दिल्ली में प्रदर्शन हिंसक हो गया था। इसके बाद राजधानी में छात्रों के खिलाफ 13 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वहीं बिहार में 69, महाराष्ट्र में 34, पश्चिम बंगाल में 8 और असम में 5 एफआईआर दर्ज हुई थीं। इस तरह पांच राज्यों में कुल 129 मामले दर्ज किए गए थे। छात्रों की मांग थी कि आंदोलन से जुड़े मामलों को वापस लिया जाए, ताकि प्रदर्शन में शामिल युवाओं के भविष्य पर मुकदमों का असर न पड़े।

25 जुलाई के समझौते का असर

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार ने 25 जुलाई को आंदोलनकारी संगठन के साथ समझौते के दौरान स्पष्ट आश्वासन दिया था कि आंदोलन समाप्त होने पर छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा। उन्होंने अदालत को बताया कि दिल्ली से संबंधित मामलों की सूची सौंप दी गई है। इसके बाद बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और असम की सरकारों ने भी अपने-अपने राज्यों में दर्ज मामलों को वापस लेने के लिए याचिकाएं दायर कीं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम को सरकार की प्रतिबद्धता से जोड़ते हुए मामलों को समाप्त करने का रास्ता साफ कर दिया।

दूसरे राज्यों के मामलों पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े मामले किसी अन्य राज्य में दर्ज हैं, तो वहां भी जांच को आगे नहीं बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट का यह रुख उन छात्रों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, जिनके खिलाफ आंदोलन में शामिल होने के कारण कानूनी कार्रवाई शुरू हुई थी। इस आदेश का असर केवल 129 एफआईआर तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि भविष्य में दूसरे राज्यों में दर्ज समान मामलों के निपटारे का रास्ता भी खुल सकता है।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, भारतीय की मौत

पीएम मोदी की शांति अपील बेअसर

मास्को। रूस ने राजधानी कीव सहित कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हमला किया है। इन हमलों में करीब 12 लोग मारे गए हैं, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसकी पुष्टि कर बताया कि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यह हमला तब हुआ है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर अंतहीन युद्ध को समाप्त करने की अपील की थी, जिसका तुरंत कोई असर नहीं दिखा। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने बड़ी संख्या में जेट-पावर्ड ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। रिहायशी इमारतों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और रेलवे डिपो को टारगेट किया। कीव में रेलवे डिपो पर हमले में सात और बोरिस्पिल में चार लोगों की मौत हुई। एक पांच मंजिला इमारत भी क्षतिग्रस्त हुई, जहां से 50 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। जेलेंस्की ने रूस पर जान-माल का नुकसान अधिकतम करने की मंशा से हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने यूक्रेन को तत्काल एयर डिफेंस सिस्टम मुहैया करने और एंटी-बैलिस्टिक क्षमताएं हासिल करने में मदद करने वाले देशों का आभार व्यक्त किया। जेलेंस्की ने इस सर्दियों में इन आपूर्तियों को बढ़ाने पर जोर दिया, क्योंकि रूसी हमलों के शिकार लोगों की संख्या सीधे तौर पर मिलने वाली मदद पर निर्भर करती है। इससे एक दिन पहले, बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने पुतिन से अंतहीन युद्ध को समाप्त करने और शांति की ओर बढ़ने का आग्रह किया था। मोदी ने कहा था कि युद्ध का हर दिन मानवता को पीछे ले जाता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम नयी आशा भरता है। भारत ने गांधी और बुद्ध की धरती के रूप में हमेशा शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करने का संदेश दिया है।

सार-समाचार

इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

गोवा। इंडिगो की गोवा-दिल्ली फ्लाइट को मंगलवार गोवा में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान इंजन में खराबी की सूचना मिलने पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कुछ समय के लिए फुल इमरजेंसी घोषित कर दी थी। इंडिगो की फ्लाइट 6E2102 सुबह 9:16 बजे गोवा से रवाना हुई, लेकिन एक इंजन में खराबी की सूचना मिलने के बाद वह एयरपोर्ट वापस लौटने लगी। हवाई जहाज सुबह 9:51 बजे रनवे 28 पर सुरक्षित उतरा और स्टैंड 6 पर पूरी तरह से पार्क हो गया, जिसके बाद एटीएस ने सुबह 10:03 बजे फुल इमरजेंसी खत्म कर दी। सभी यात्री सुरक्षित रूप से उतरे और उन्हें बोर्डिंग एरिया में ठहराया गया। एविएशन ट्रैकर फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों से पता चला कि विमान दक्षिणी महाराष्ट्र के तट से गोवा लौट रहा था।

ममता बनर्जी की भतीजी ने की खुदकुशी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी भतीजी वृष्टि मुखर्जी ने आत्महत्या कर ली है। मंगलवार दोपहर को रामपुरहाट में उनके घर पर उनका शव फंदे से लटका मिला। परिवार का कहना है कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक, वृष्टि पिछले 4-5 साल से डिप्रेशन से परेशान थीं और इलाज चल रहा था। पश्चिम बंगाल स्कूल भर्ती घोटाले में उनका नाम आने के बाद उनकी सरकारी नौकरी (ग्रुप-सी) छिन गई थी। हाल में तलाक के मामले से भी वे तनाव में थीं। वृष्टि, ममता बनर्जी के ममेरे भाई निहार मुखर्जी की बेटी थीं। निहार रामपुरहाट में तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष रह चुके हैं।

वृंदावन में बाहरी गाड़ियों की नो एंट्री

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के विश्व प्रसिद्ध पर्व को लेकर मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का बड़ा प्लान तैयार किया है। 3 सितंबर सुबह 8 बजे से 5 सितंबर सुबह 9 बजे तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं को मंदिरों तक सुगम और सुरक्षित पहुंचाने के लिए पूरे क्षेत्र को 7 जोन और 35 सेक्टर में बांटकर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग एरिया, कैमरों और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। प्रमुख चौराहों और तिराहों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सूचना पट्टिकाएं भी लगाई जा रही हैं। जन्माष्टमी के दौरान भूतेश्वर, मसानी, डींग गेट, चौक बाजार, भरतपुर गेट, गोवर्धन चौराहा, मण्डी चौराहा, कृष्णापुरी और होलीगेट सहित कई स्थानों से कृष्ण जन्मभूमि की ओर जाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा।

पीएनबी में 17 करोड़ के नकली नोट मिले

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट में करीब 17 करोड़ रुपए के नकली नोट मिले हैं। बैंक ऑडिट के दौरान यह मामला सामने आया। इसके बाद मंगलवार सुबह 8 बजे पीएनबी के 6 अफसर दो गाड़ियों से पहुंचे। 4 घंटे से बैंक के अंदर हैं। सूत्रों के मुताबिक बैंक कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं। इस मामले में अब तक 3 अफसरों को सस्पेंड किया गया है। पीएनबी मेरठ के चीफ मैनेजर और जांच अधिकारी अरुण कुमार चौबे की शिकायत पर तीन अफसरों समेत 4 लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है। सहारनपुर की घंटाघर स्थित पीएनबी ब्रांच से जयपुर भेजी गई रकम में कमी मिलने के बाद मामले का खुलासा हुआ।

ओरैकल 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली। टेक कंपनी ओरेकल दुनियाभर में अपने लगभग 10 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। इससे भारत में काम करने वाले कर्मचारी भी प्रभावित हो सकते हैं। कंपनी यह कदम क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते खर्च को संतुलित करने और अपनी लागत घटाने के लिए उठा रही है। ओरेकल मैनेजमेंट ने अपनी अलग-अलग टीमों से अपने खर्च में कटौती करने के रास्ते तलाशने को कहा है। इस फैसले की वजह से छंटनी का असर किसी एक खास बिजनेस एरिया तक सीमित रहने के बजाय कंपनी के कई विभागों पर पड़ सकता है। कंपनी में आंतरिक रूप से चल रही चर्चाओं के अनुसार, इस छंटनी से वैश्विक स्तर पर 7 हजार से लेकर 10 हजार कर्मचारियों के प्रभावित होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, ओरेकल की ओर से इन आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

चीन ने युद्ध की तैयारी के लिए बदला रक्षा कानून, आदेश नहीं मानने पर सजा होगी

आम लोगों के संसाधन इस्तेमाल कर सकेगी सरकार

बीजिंग। चीन ने युद्ध और बड़े राष्ट्रीय संकट की स्थिति में अपनी पूरी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था को रक्षा जरूरतों के लिए इस्तेमाल करने का रास्ता और मजबूत कर दिया है। चीन की संसद ने राष्ट्रीय रक्षा लामबंदी कानून में बड़ा बदलाव मंजूर किया है, जिसके तहत जरूरत पड़ने पर सरकार सेना के साथ-साथ आम नागरिकों, निजी कंपनियों और देश के महत्वपूर्ण संसाधनों को भी रक्षा कार्यों में लगा सकेगी। नया कानून 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगा। 2010 में बने इस कानून में पहली बार इतना बड़ा बदलाव किया गया है। संशोधित कानून में 14 अध्याय और 82 अनुच्छेद हैं। चीन का कहना है कि इसका उद्देश्य किसी भी

संभावित खतरे के समय देश को शांति से युद्ध की स्थिति में तेजी से बदलने की क्षमता देना है। नए प्रावधानों का सबसे बड़ा असर निजी क्षेत्र पर पड़ सकता है। युद्ध या बड़े संकट की स्थिति में जरूरी संसाधनों को केवल इस्तेमाल करने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि कुछ परिस्थितियों में उन्हें सरकार के नियंत्रण में लेने की व्यवस्था भी की गई है। सरकारी आदेश का पालन करने से इनकार करने या जानबूझकर देरी करने पर कार्रवाई और जुमार्ने का प्रावधान भी रखा गया है। यानी राष्ट्रीय रक्षा लामबंदी की स्थिति में निजी क्षेत्र की स्वायत्तता पर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। अस्पताल से इंटरनेट तक, सबकी भूमिका तय नए कानून में राष्ट्रीय रक्षा के लिए सिर्फ सैन्य प्रतिष्ठानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी तैयार रखने की व्यवस्था की गई है।

नेपाल जलप्रलय में मरने वालों की संख्या 1000 के पार

काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,000 के पार हो गई है। 3,900 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। इनमें 600 से ज्यादा कर्मचारी हैं। माना जा रहा है कि ये त्रिशूली नदी के किनारे हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी परियोजनाओं में बनी मिट्टी से भरी सुरंगों के बड़े नेटवर्क में फंसे हुए हैं। इंजीनियर इन सुरंगों के अंदर हवा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। एक टीम सुरंग के अंदर जाने में कामयाब भी हुई, लेकिन वहां किसी को न पाकर उसे वापस लौटना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 33 साल के इंजीनियर ऑरस भंडारी एक परियोजना स्थल से लापता हैं। उनकी पत्नी अनुषिला भंडारी ने कहा कि काश हम उन्हें ढूंढ पाते। काश वह घर वापस आ जाते। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने कहा है कि इन परियोजना स्थलों से 279 लोगों को बचाया जा चुका है। बचाव अभियान की अगुआई चीन और नेपाल के सैन्यकर्मियों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम कर रही है।

दिल्ली में गरीबों के 5 करोड़ किलो चावल की चोरी

सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, आप ने मंत्री सिरसा की भूमिका पर उठाए सवाल

मामले में सीबीआई ने एफआईआरदर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि चावल को गरीबों में बांटने के बजाय दूसरी जगह डायवर्ट किया गया।

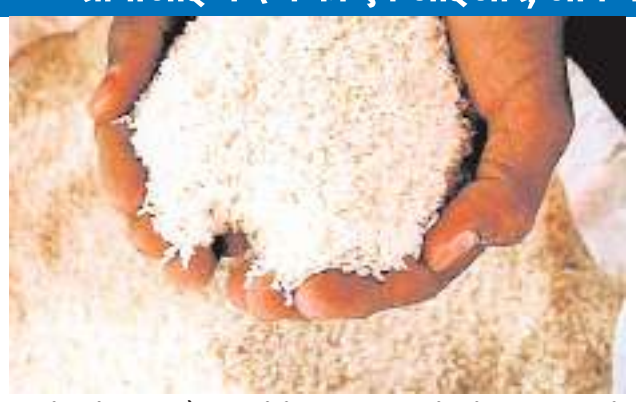

नई दिल्ली। दिल्ली में गरीबों के लिए आवंटित चावल में कथित घोटाले का मामला सामने आया है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि गरीबों के हिस्से का करीब 5 करोड़ किलो चावल कथित तौर पर गायब या डायवर्ट किया गया। मामले में सीबीआई ने एफआईआरदर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि चावल को गरीबों में बांटने के बजाय दूसरी जगह डायवर्ट किया गया। उन्होंने मांग की कि जांच एजेंसी इस पूरे मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की भूमिका की भी जांच करे। सौरभ भारद्वाज के मुताबिक, दिल्ली सरकार की ओर से भारतीय खाद्य निगम को एन ईई आर एम एसी को चावल आवंटित या डायवर्ट करने के लिए एनओसी दी गई थी। उनका दावा है कि यह चावल दिल्ली के गरीबों में वितरण के लिए निर्धारित था। आप नेता ने सवाल उठाया कि यदि चावल वास्तव में गरीबों के बीच बांटने के लिए भेजा गया था, तो उसके वितरण का पूरा रिकॉर्ड सामने क्यों नहीं आया। उन्होंने करीब 31 मीट्रिक टन चावल को लेकर भी सवाल उठाए और पूछा कि इतनी बड़ी मात्रा को एक महीने के भीतर दिल्ली में किस तरह वितरित किया गया। अधिकारी के जवाब का भी हवाला भारद्वाज ने संबंधित अधिकारी अरुण कुमार झा के लिखित जवाब का हवाला देते हुए दावा किया कि एन ईई आर एम एसी से जुड़ा मामला मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ चर्चा में आया था। आप का आरोप है कि गरीबों के लिए निर्धारित चावल बाद में हरियाणा की एक फर्म की ओर डायवर्ट कर दिया गया। सीबीआई जांच से सामने आएगा सच अब सीबीआई की एफआईआर के बाद मामले की जांच में यह पता लगाया जाएगा कि चावल का आवंटन किस प्रक्रिया के तहत हुआ, उसे कहां भेजा गया और निर्धारित लाभार्थियों तक कितना चावल पहुंचा। साथ ही, आरोपों में जिन अधिकारियों और अन्य लोगों की भूमिका बताई जा रही है, उनकी भी जांच हो सकती है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गरीबों के हिस्से के खाद्यान्न में किसी भी तरह की गड़बड़ी गंभीर मामला है और जांच एजेंसी को सभी संबंधित लोगों की भूमिका निष्पक्ष तरीके से जांचनी चाहिए। हालांकि, अभी आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

एसआईआर पर सियासी संग्राम, राहुल गांधी बोले

यह चुनाव आयोग नहीं, वोट चोरी आयोग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 2,06,88,487 मतदाताओं के नाम शामिल नहीं होने के बाद कांग्रेस ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तीखा हमला करते हुए उसे वोट चोरी आयोग तक करार दिया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग अपनी रणनीति बदलते रहते हैं और उनका मकसद किसी भी कीमत पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करना तथा देश के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करना है। हालांकि चुनाव अधिकारियों का कहना है कि ड्राफ्ट सूची से बाहर रह गए मतदाताओं में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो अपने पते पर नहीं मिले, घर बदल चुके हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जिनके नाम डुप्लीकेट पाए गए हैं। यानी विवाद का केंद्र यह है कि ड्राफ्ट सूची से बाहर हुए 2.06 करोड़ नामों में कितने वास्तव में अपात्र हैं और कितने पात्र मतदाता हैं, जिन्हें दोबारा सूची में शामिल होना चाहिए। मकसद सिर्फ भाजपा की जीत राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए महाराष्ट्र की एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और वोट चोरी आयोग अपनी रणनीति बदलते रहते हैं और आगे भी ऐसा करते रहेंगे।

संपादकीय

तीन साल से मणिपुर में हिंसा का सिलसिला, आखिर क्यों नहीं निकाल पा रही सरकार स्थायी रास्ता ?

मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। यह किसी भी राज्य सरकार के लिए एक बेहद असहज और शर्मिंदगी की स्थिति होनी चाहिए कि आखिर तीन साल से ज्यादा वक्त से वह वहां जारी हिंसा को थाम पाने में नाकाम क्यों है। मणिपुर में उग्रवादी समूहों की ओर से जिस तरह की हिंसक गतिविधियां लगातार जारी हैं, हर कुछ दिनों बाद हमले, आगजनी या हत्या की घटनाएं सामने आ जाती हैं, उससे यह साफ है कि सरकार हालात पर काबू पाने के मामले में लाचार है।हैरानी की बात यह है कि आए दिन हिंसा की तमाम घटनाएं अपनी प्रकृति में एक जैसी हैं और उससे निपटने के लिए सरकार के भीतर सिर्फ इच्छाशक्ति की जरूरत है, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से स्थिति पर काबू पाने को लेकर जरूरी संजीदगी नहीं दिखाई देती। जबकि इसका नतीजा यह है कि आए दिन वहां नाहक ही आम लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। सवाल है कि इतने लंबे समय से जारी हिंसक घटनाएं आखिर किन वजहों से आज भी रोकी नहीं जा पा रही हैं?गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी थाना क्षेत्र के तहत इंफाल-तामेई आईटी मार्ग पर स्थित बस्ती में गुरुवार की सुबह कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। मारे गए लोग नगा समुदाय से थे। वहां सुरक्षा व्यवस्था की जो स्थिति थी, उसके मुताबिक नगा समुदाय के लोगों ने स्वाभाविक ही यह आरोप लगाया कि सरकार ने एक तरह से उग्रवादी संगठनों को खुली छूट दे रखी है और हिंसा की घटनाएं सुनियोजित हैं। सरकार पर ऐसे आरोप पहले भी अन्य समुदायों की ओर से लगाए जा चुके हैं। यह एक तरह से पीड़ित समूहों की ओर से सरकार को सीधे-सीधे कठघरे में खड़ा करना है। इस घटना के कुछ ही दिन पहले सेनापति जिले में उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी थी। न केवल पिछले कुछ दिनों से हिंसक घटनाओं में आई तेजी के मद्देनजर, बल्कि राज्य में इस समस्या की शुरुआत से ही सरकार का जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए यह सवाल लाजिमी है कि वहां आज भी निर्दोष लोगों की हत्याओं से लेकर स्थानीय आबादी के घरों को जलाने या अन्य बेलगाम हमलों के जारी रहने के आखिर क्या कारण हैं।यह साफ है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। वहां जारी हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, करीब ग्यारह सौ लोग घायल हुए और कई हजार को विस्थापित होना पड़ा।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा- आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

(अशोक भाटिया)

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं । इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे

अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक बालगोकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा। सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है ।

जीवन की राह में कठिनाइयां क्यों जरूरी हैं, शिकायत से जिम्मेदारी तक का सफर ही असली साधना

(ममता कुशवाहा)

साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। मनुष्य जब इस संसार में पदार्पण करता है, तो उसके साथ न कोई विधान आता है, न कोई प्रतिज्ञापत्र, जिस पर लिखा हो कि जीवन सदैव सुखद, सरल और मनोवांछित ही रहेगा। फिर भी हममें से अधिकांश लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि जीवन का स्वाभाविक स्वरूप सुख है, और दुख उसमें कोई अवांछित हस्तक्षेप। जब भी विपत्ति का बादल घिरता है, हम आकाश की ओर उंगली उठाकर पूछ बैठते हैं- 'मेरे ही साथ ऐसा क्यों?' यह प्रश्न स्वाभाविक है, लेकिन इसका उत्तर शिकायत में नहीं, स्वीकृति में छिपा है। जीवन को अगर हम एक न्यायालय मान लें, जहां हम वादी बनकर नियति के विरुद्ध याचिका दायर करते रहें, तो हमारा समूचा अस्तित्व एक असमाप्त मुकदमे में बदल जाता है। अगर हम जीवन को एक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करें, एक ऐसा दायित्व, जो प्रत्येक सुबह के साथ नया होकर हमारे सम्मुख उपस्थित होता है, तो वही जीवन एक साधना बन जाता है। विक्टर फ्रैंकल ने अपने अनुभवों से यह प्रतिपादित किया था कि जीवन हमसे प्रश्न नहीं पूछता, बल्कि वह स्वयं एक प्रश्न है, जिसका उत्तर हमें अपने कर्मों और आचरण से देना होता है। गीता में कहा गया है कि फल की चिंता किए बिना कर्म में प्रवृत्त होना ही मनुष्य का धर्म है। हर परिस्थिति, चाहे वह सुखद हो या विषम, दरअसल, एक अनकहा प्रश्न लेकर हमारे द्वार पर दस्तक देती है। कोई प्रियजन का बिछोह हमसे धैर्य की परीक्षा लेता है, कोई असफलता साहस की मांग करती है, कोई विश्वासघात हमसे यह पूछता है कि क्या हम फिर भी प्रेम करने का साहस रखते हैं। इन प्रश्नों से पलायन संभव नहीं। संभव केवल इतना है कि हम इनका उत्तर किस भाव से दें- विवशता के साथ या समर्पण के साथ, कटुता के साथ या करुणा के साथ। साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। साहस वह ज्योति है, जो अंधकार से भयभीत नहीं होती। धैर्य वह जड़ है, जो आंधी में भी वृक्ष को धरती से बांधे रखती है। प्रेम वह जल है, जो सूखी हुई आत्मा को फिर से हरा-भरा करता है और कर्म वह हाथ है, जो विचारों को यथार्थ का रूप देता है। जब जीवन कोई कठिन प्रश्न प्रस्तुत करे, तो इन्हीं चार स्तंभों की ओर देखना चाहिए, क्योंकि इनके बिना कोई भी उत्तर अधूरा और खोखला रह जाता है। कठिनाइयां दरअसल उस आंतरिक शक्ति की परिचायक होती हैं, जो सामान्य दिनचर्या के सहज प्रवाह में अप्रकट रहती है। मनुष्य का चरित्र विपत्ति की भट्टी में तपे बिना अपनी वास्तविक चमक नहीं पाता। सुख के दिनों में तो प्रत्येक व्यक्ति खुद को साहसी और धैर्यवान समझता है, लेकिन वास्तविक परीक्षा तब होती है, जब सब कुछ हाथ से छूटता प्रतीत हो। ऐसे क्षणों में जो व्यक्ति टूटने के बजाय खुद को नए सिरे से गढ़ लेता है, वही जीवन को समझ पाता है। हमारे दैनिक जीवन में यह सिद्धांत अनेक रूप में प्रकट होता है। एक माता-पिता, जो अपनी संतान की बीमारी में रात-दिन एक कर देते हैं, वे शिकायत नहीं करते, बल्कि अपने उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। एक शिक्षक, जो सीमित संसाधनों में भी अपने विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने में जुटा रहता है, वह भी इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण है। एक श्रमिक, जो प्रतिदिन कठोर परिश्रम के पश्चात भी अपने परिवार के प्रति स्नेह और कर्तव्य में कमी नहीं आने देता, वह भी नियति के प्रश्न का उत्तर अपने कर्म से दे रहा होता है। यह उत्तरदायित्व किसी महान कार्य में ही नहीं, बल्कि इन्हीं छोटी-छोटी प्रतीत होने वाली साधारण घटनाओं में सन्निहित है। आधुनिक युग ने जीवन के अर्थ को सुख, धन और सफलता के त्रिकोण में सीमित कर दिया है। हम यह मान बैठे हैं कि जिसके पास अधिक धन है, जिसकी सफलता की गाथाएं सुनी-सुनाई जाती हैं, वही जीवन का वास्तविक विजेता है। मगर गहराई से विचार करें, तो पाएंगे कि धन और सफलता क्षणभंगुर हैं, वे आज हैं, कल नहीं भी हो सकते। जीवन का सच्चा अर्थ इन बाह्य उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उस आंतरिक निष्ठा में निहित है, जिससे हम अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं। एक व्यक्ति, जो निर्धनता में भी अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ता, जो असफलता में भी अपने मूल्यों से समझौता नहीं करता, वह धनवान और सफल व्यक्ति से कहीं अधिक सार्थक जीवन जी रहा होता है। यह स्वीकृति सरल नहीं है। मनुष्य का स्वभाव है कि वह सुविधा चाहता है, संघर्ष नहीं, लेकिन संघर्ष के बिना जीवन का कोई अर्थ शेष नहीं रहता। जिस प्रकार नदी अपने प्रवाह में अनेक अवरोधों को पार करते हुए ही सागर तक पहुंचती है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपनी कठिनाइयों को पार करते हुए अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य तक पहुंचता है। यह यात्रा कष्टप्रद अवश्य है, पर इसी कष्ट में वह माधुर्य छिपा है, जो सुगम मार्ग पर चलने वाले को कभी प्राप्त नहीं होता।

हिमालय की हिमनद झीलें बढ़ा रहीं खतरा, कहीं अगली बाढ़ का कारण न बन जाएं ये जलाशय

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

(प्रमोद भार्गव)

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है।

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

खबरों के अनुसार, 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बताते हैं कि बढ़ते वैश्विक ताप से हिमनदों के पिघलने की गति तेज हो रही है, जिससे उनके टूटकर खिसकने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यही नहीं, हिमनदों के पिघलने से हिमालयी क्षेत्र में जहां नई झीलों का निर्माण हो रहा है, वहीं पुरानी झीलों का आकार भी बढ़ रहा है, जिन्हें निचले इलाकों की आबादी के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

नेपाल की इस त्रासदी से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक कि जिन हिमनद झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्रलय आया, वह 17 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित था।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट

और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि नेपाल की नदियों में इन झीलों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 हिमनद झीलें नेपाल में हैं और बाकी तिब्बत के सीमावर्ती इलाके में स्थित हैं। ये झीलें उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं।

इसलिए अगर इनके फटने से बाढ़ आती है, तो नीचे की ओर बसी आबादी और बुनियादी संरचना के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। यही संकट नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही में देखा गया है। यह चेतावनी यदि अनुमानों पर सही उतरती है, तो कहा जा सकता है कि नेपाल खतरे के मुहाने पर है।

भारत के इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से विभिन्न अध्ययनों से जुटाए गए आंकड़े भी डराने वाले हैं। इनके मुताबिक, भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं, क्योंकि बढ़ते वैश्विक ताप के कारण इन झीलों में बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं, अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं।

लद्दाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनद झीलों में से 2,431 ऐसी हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दस हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें विभिन्न सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिमनद झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है।

कुछ झीलों के बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाटी झील का आकार सर्वाधिक 178 फीसद बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में दस लाख लोग हिमनद झीलों के बीस-तीस किमी के दायरे में रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बाढ़ की घटनाओं में तेजी आ सकती है, जिससे सालाना बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हो सकता है। साफ है कि वैश्विक ताप के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक तेज बारिश, बादल फटने, बाढ़, भारी बर्फबारी या फिर सूखे के कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान या फिर ज्वालामुखियों के फटने की घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि प्राकृतिक आपदाएं कभी भी आ सकती हैं।

फटाफट खबरें

महापौर ने मच्छर से होने वाली बीमारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को मच्छर जनित बीमारियों से निपटने के लिए दिल्ली नगर निगम द्वारा किये जा रहे कार्यों को लेकर एक समीक्षा बैठक की। बैठक में जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा मच्छर जनित बीमारियों से निपटने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। महापौर ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जन प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हर सप्ताह समीक्षा बैठक करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम ने मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु निगरानी बढ़ा दी है। फील्ड स्टाफ को निगरानी बढ़ाने, फॉगिंग करने एवं मच्छरों के प्रजनन के संभावित स्थलों पर त्वरित कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा पर जताया आभार

वैशाली। उत्तर प्रदेश की बसों में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को आजीवन मुफ्त यात्रा की घोषणा पर वैशाली सेक्टर-1 में महिलाओं ने खुशी जताई। पार्षद कुसुम मनोज गोयल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। कार्यक्रम में महिलाओं ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से बुजुर्ग महिलाओं को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी।

स्कूल निकला छठी का छात्र लापता, पुलिस तलाश में जुटी

साहिबाबाद। जनकपुरी इलाके से 13 साल का छठी कक्षा का छात्र चिंटू कुमार संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए साहिबाबाद थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। चिंटू 26 अगस्त को सुबह स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकला था। उसके माता-पिता काम पर गए हुए थे। शाम को घर लौटने पर चिंटू नहीं मिला। स्कूल से पता चला कि वह स्कूल पहुंचा ही नहीं था। लोगों ने उसे आखिरी बार जनकपुरी पानी की टंकी पार्क पर पतंग उड़ाते देखा था। जनकपुरी निवासी दिलीप कुमार का पुत्र चिंटू कुमार है। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बच्चे की तलाश में एक टीम आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

ताइवान से बड़े भाई के लौटने पर ही होगा दंपती का पोस्टमार्टम

इंदिरापुरम। एनएच-9 पर इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में छिजारसी कट के पास रविवार को हादसे में हुई दंपती की मौत के मामले में सोमवार को पोस्टमार्टम नहीं हुआ। पुलिस का कहना है कि मृतक के बड़े भाई अंकुर ताइवान में हैं। अंकुर ने पुलिस के सामने शर्त रखी है कि उनके आने पर ही भाई व नीलम के शव का पोस्टमार्टम उनके सामने ही होना चाहिए। इसके चलते ही रविवार व सोमवार को पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पुलिस ने दोनों शवों को प्रिजर्व करवा दिया है। उम्मीद है कि मंगलवार को उनका भाई भारत आ जाएगा तो शवों को पोस्टमार्टम हो पाएगा। बता दें कि इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसायटी में रहने वाले फार्मा कंपनी के एरिया मैनेजर आशीष आनंद बाइक से अपनी पत्नी नीलम जोकि डाइटीशियन को तुराबनगर में खरीदारी के लिए लेकर जा रहे थे। उन्हें जन्माष्टमी समेत अन्य त्योहारों की शॉपिंग के लिए संजयनगर सेक्टर 23 स्थित पूजा की दुकान पर भी जाना था, जो वह घर से कहकर निकले थे। जाम से बचने के लिए वह साले की बाइक लेकर गए थे और गाड़ी घर पर ही छोड़कर गए थे। वह जैसे ही एनएच-9 पर छिजारसी कट के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दोनों को कुचल दिया था। 50 मीटर दूर तक ट्रक बाइक को घसीटते हुए ले गया था। दंपति की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का हमला तेज: एक दिन में 48 नए केस, इतने तक पहुंचा मरीजों का आंकड़ा

नई दिल्ली: दिल्ली में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के मामलों में बढ़ोतरी जारी है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 30 अगस्त को 48 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही इस वर्ष अब तक कुल 3,629 मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें दिल्ली के 3,054 और बाहर के 575 मामले शामिल हैं।

फ्लूएंजा ए और बी के कुल मामलों की संख्या भी 5,029 पहुंच गई है। विशेषज्ञों ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दी है। सामान्य खांसी-जुकाम और हल्के बुखार में अनावश्यक अस्पताल जाने से बचें। तेज बुखार, अधिक ठंड लगना या सांस लेने में तकलीफ होने पर तुरंत अस्पताल जाएं। दिल्ली में बारिश के बीच मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। अगस्त माह में मच्छर जनित बीमारियों ने इस साल अब तक की सबसे तेज रफ्तार पकड़ी है। खास बात यह है कि डेंगू और मलेरिया में अगस्त का आंकड़ा इस साल किसी भी पिछले महीने से अधिक है। डेंगू के 311 मामलों में से 90 अगस्त में मिले हैं। वहीं, मलेरिया के 119 मामलों में 53 और चिकनगुनिया के 22 में आठ मामले इसी महीने सामने आए हैं।

एमसीडी के अनुसार, डेंगू के मामले जुलाई में 40 थे, जो अगस्त में बढ़कर 90 हो गए।

यानी एक महीने में मामले दोगुने से भी ज्यादा हो गए। अप्रैल में 52 मामले सामने आए थे, लेकिन उसके बाद मई में 35, जून में 39 और जुलाई में 40 मामले दर्ज हुए। अगस्त में अचानक बढ़ोतरी ने एमसीडी की मच्छर नियंत्रण व्यवस्था की चुनौती बढ़ा दी है। क्षेत्रवार आंकड़ों में पश्चिमी क्षेत्र 47 मामलों के साथ सबसे आगे है। मध्य क्षेत्र में 39, उत्तरी शाहदरा में 32, सिविल लाइंस में 28, दक्षिणी क्षेत्र में 21 और सिटी एसपी में 19 मामले मिले हैं। नजफगढ़ में 18, रोहिणी में 17 और नरेला में 16 मामले दर्ज किए गए हैं।

मलेरिया के मामले भी अगस्त में तेजी से बढ़े। जनवरी से जुलाई के बीच कुल 66 मामले सामने आए थे, जबकि अकेले अगस्त में 53 मामले दर्ज हो चुके हैं। इस साल अब तक के 119 मामलों में करीब आधे मामले अगस्त के हैं। पश्चिमी क्षेत्र में 22 मामले सबसे अधिक हैं।

इसके बाद दक्षिणी क्षेत्र में 17 और मध्य क्षेत्र में 16 मामले मिले हैं। चिकनगुनिया के मामले संख्या में कम हैं, लेकिन अगस्त में इसकी रफ्तार भी बढ़ी है। जनवरी में एक, फरवरी में एक, मार्च में तीन, अप्रैल में दो, मई में चार, जून में तीन और जुलाई में तीन मामले सामने आए थे। अगस्त में आठ मामले मिल चुके हैं।

इनकम टैक्स अधिकारी के घर चोरी, तड़के घुसा नकाबपोश युवक

कौशांबी। थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी टावर में शनिवार तड़के दिल्ली में तैनात एक इनकम टैक्स अधिकारी के घर में चोरी हो गई। पीड़िता ने कौशांबी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, रत्नागिरी टावर कौशांबी निवासी भूमि श्रीवास्तव दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित कार्यालय में असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स के पद पर तैनात हैं। शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे उनके घर के डाइनिंग रूम से कुछ आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। लाइट जलाकर बेडरूम का दरवाजा थोड़ा खोला तो डाइनिंग रूम में काले कपड़े पहने और बैग लिए एक व्यक्ति दिखाई दिया। उन्होंने शोर मचाकर बेडरूम का दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद उन्हें कांच टूटने की आवाज सुनाई दी।

पीपीपी मॉडल से चमकेगी दिल्ली
फ्लाईओवर के नीचे बदलेगी तस्वीर

नई दिल्ली। दिल्ली के फ्लाईओवरों के नीचे और आसपास के उपेक्षित स्थान अब जल्द ही बदले हुए नजर आएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी से इन जगहों को साफ-सुथरा, हरा-भरा, सुरक्षित और नागरिकों के लिए उपयोगी बनाने की पहल शुरू की है। सोमवार को पीडब्ल्यूडी और दो निजी कंपनियों के बीच हुए एमओयू के बाद शहर के इन स्थानों के कायाकल्प का रास्ता साफ हो गया है। पहली कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज और वृक्षित फाउंडेशन की पहल के तहत दीपाली से मंगोलपुरी मार्केट तक ढाई किलोमीटर (फ्लाईओवर का निचला क्षेत्र) के उपेक्षित स्थानों को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित सामुदायिक स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना है। परियोजना के तहत फ्लाईओवर की लगभग ढाई किलोमीटर लंबी पट्टी में फेंसिंग की जाएगी। फ्लाईओवर के 61 पिलर्स पर लगभग 5,100 वर्ग मीटर क्षेत्र में पर्यावरण-अनुकूल म्यूरल पेंटिंग और पर्यावरण एवं स्वच्छ ऊर्जा आधारित कलाकृतियां बनाई जाएंगी। यहां स्थानीय प्रजातियों के पौधों, घास, झाड़ियों और फूलदार पौधों के माध्यम से व्यवस्थित हरियाली विकसित की जाएगी।

कनोडिया ग्रुप द्वारा सीएसआर पहल के तहत मथुरा रोड से एमपी मार्ग के आसपास की ग्रीन बेल्ट के विकास एवं दीर्घकालिक रखरखाव की पहल की जाएगी। वर्तमान में इन क्षेत्रों में कचरा डंपिंग, अवैध झुग्गियां, सड़क किनारे अतिक्रमण और अनियोजित उपयोग जैसी समस्याओं के कारण हरियाली, स्वच्छता, सुरक्षा और क्षेत्र की सुंदरता प्रभावित हो रही है। इन ग्रीन बेल्ट को स्थानीय प्रजातियों के पौधों, व्यवस्थित लैंडस्केपिंग और बेहतर रखरखाव के माध्यम से विकसित किया जाएगा। प्रस्तावित विकास में व्यवस्थित हरित क्षेत्र, फूलदार पौधे, झाड़ियां, पेड़-पौधे, पैदल मार्ग, लाइट व्यवस्था और आकर्षक सार्वजनिक स्थलों का निर्माण शामिल है। इससे क्षेत्र की हरियाली और सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर और अधिक सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ, हरित और सुंदर दिल्ली का निर्माण सरकार के साथ-साथ समाज और निजी क्षेत्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार ऐसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को प्रोत्साहित कर रही है, जिनके माध्यम से शहर के उपेक्षित स्थानों को नागरिकों के लिए बेहतर, सुरक्षित, आकर्षक और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक स्थलों में बदला जा सके। दिल्ली के विकास का लक्ष्य केवल नई इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं तैयार करना नहीं, बल्कि मौजूदा शहरी स्थानों का बेहतर उपयोग करते हुए नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी है। फ्लाईओवरों के नीचे की जगहों और प्रमुख मार्गों की ग्रीन बेल्ट का कायाकल्प इसी सोच का हिस्सा है।

सरकारी स्कूलों में खुलेंगे मेडिकल रूम

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में अब पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों की सेहत और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। दिल्ली सरकार 100 सरकारी विद्यालयों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर समर्पित स्कूल मेडिकल रूम स्थापित करने जा रही है। यहां छात्रों को तत्काल प्राथमिक उपचार, बुनियादी स्वास्थ्य सहायता, परामर्श और जरूरत पड़ने पर अस्थायी विश्राम की सुविधा मिलेगी। छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित और निजी स्थान भी उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के सफल मूल्यांकन के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से 1,086 सरकारी स्कूलों तक विस्तार देने की तैयारी है। मेडिकल रूम में प्राथमिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित हेल्थ वर्कर्स की सेवाएं अनुमोदित आउटसोर्सिंग व्यवस्था के माध्यम से ली जाएंगी। हेल्थ वर्कर्स प्राथमिक उपचार और बुनियादी स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ विद्यार्थियों को परामर्श देने में सहयोग करेंगे। इसके अलावा, वे स्वास्थ्य-जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों में सहायता करेंगे और संबंधित आवश्यक अभिलेखों के रख-रखाव में भी सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने इस पहल को कम लागत और उच्च प्रभाव वाली व्यवस्था के रूप में तैयार किया है। इसके लिए मौजूदा विद्यालयी आधारभूत संरचना का उपयोग किया जाएगा। योजना के पायलट क्रियान्वयन के लिए इस वर्ष के बजट अनुमान (बीई) में 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पायलट परियोजना के मूल्यांकन और उसके परिणामों के आधार पर आगामी वर्षों में योजना के लिए आवश्यक अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया जाएगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के सुरक्षित, समावेशी और स्वास्थ्य-सहायक विद्यालयी वातावरण के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

दो नए मरीज, ढाई माह के बच्चे में भी लक्षण

गाजियाबाद। जिले में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को दो और मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। इनमें एक मरीज निजी अस्पताल में भर्ती है, जबकि दूसरे का इलाज घर पर चल रहा है। इसके अलावा भोजपुर के कलछीना क्षेत्र में ढाई महीने के बच्चे में भी स्वाइन फ्लू के लक्षण मिले हैं। उसे संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए संयुक्त अस्पताल में छह बेड का आइसोलेशन वार्ड आरक्षित किया गया है। दो नए मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। सीएमओ ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिले में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। अब तक 16 मरीजों को उपचार के लिए भर्ती कराने की जरूरत पड़ चुकी है। सांस लेने में परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लें : एमएमजी अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. संतराम वर्मा ने बताया कि स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंजा ए वायरस से होने वाला संक्रामक रोग है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या उसके निकट संपर्क में आने से संक्रमण फैल सकता है। सांस लेने में परेशानी होने पर मरीज को तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

संक्रमित होने पर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवतियों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। समय पर पहचान और उपचार मिलने पर अधिकांश मरीज ठीक हो जाते हैं, लेकिन जोखिम वाले मरीजों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

फुटपाथ पर कब्जा, सड़क पर चलने को मजबूर राहगीर

वसुंधरा। सेक्टर-15 स्थित राहुल डेयरी से शिखर एनक्लेव जाने वाले मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण के चलते फुटपाथ अब शेष ही नहीं बचा है। सड़क के दोनों ओर स्ट्रीट वेंडरों ने टीन शेड और अन्य स्थायी ढांचे खड़े कर दुकानें बना ली हैं। इससे राहगीरों को सड़क पर चलना पड़ रहा है और हादसे का खतरा बना हुआ है।

अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन, शिखर एनक्लेव ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर मार्ग से अतिक्रमण हटाने और तत्काल सफाई कराने की मांग की है। एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव बीसी लोहानी ने बताया कि अतिक्रमण के कारण वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है।

एसोसिएशन का आरोप है कि दुकानों के पीछे बड़ी मात्रा में कूड़ा जमा है। बारिश के बाद जलभराव होने से मच्छरों का प्रकोप और दुर्गंध बढ़ गई है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने नगर निगम से मार्ग का निरीक्षण कर अवैध टीन शेड हटाने, वेंडिंग प्रमाण-पत्रों की जांच करने तथा क्षेत्र में सफाई और फॉगिंग कराने की मांग की है। मामले पर जोनल प्रभारी, वसुंधरा राजेश गुप्ता ने बताया कि मामले को संज्ञान में ले लिया गया है, जल्द ही अतिक्रमण हटाने का काम किया जाएगा।

खोड़ा के प्रमुख मार्गों से जल्द हटेगा अतिक्रमण, नगरपालिका ने दी चेतावनी

खोड़ा। खोड़ा क्षेत्र में प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटाने की तैयारी नगरपालिका परिषद ने शुरू कर दी है। नगर पालिका ने सार्वजनिक तौर पर सूचना जारी कर दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी संचालकों को चेतावनी दी है कि वह स्वयं अतिक्रमण हटा लें। ऐसा नहीं करने पर पालिका की ओर से अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाएगा। बुध बाजार, शनि बाजार, इतवार बाजार, नेहरू गार्डन से कविता पैलेस और कालू सीमेंट एजेंसी से थापर गेट तक नालियों के ऊपर बने अवैध रैंप और रेहड़ी-पटरी के कारण सड़कें संकरी हो रही हैं। इससे वाहनों की आवाजाही के साथ पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजार के दोनों तरफ नालियों को नगरपालिका की ओर से स्लैब से ढक दिया गया है। सफाई के लिए करीब 20 फीट की दूरी पर स्थान खाली रखा गया है, लेकिन स्थानीय दुकानदारों ने नालियों के ऊपर बने स्लैब पर सब्जी, फल और अन्य सामान रखकर कब्जा कर लिया है। कई जगह दुकानों को बढ़ाकर होर्डिंग्स भी लगाए गए हैं। स्थानीय निवासी जगजीवन ने बताया कि सब्जी और फल विक्रेताओं के ठेले पर बचा कचरा नालियों में डाल दिया जाता है। इससे नाले आए दिन जाम हो जाते हैं। बारिश में नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगता है। इससे जलभराव की समस्या पैदा होती है। लोगों का कहना है कि पिछले लंबे से अतिक्रमण के कारण मुख्य मार्गों पर पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। वहीं अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि बार-बार अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही हैं। शिकायत का संज्ञान लेकर दुकानदारों को स्वयं अतिक्रमण हटाने को कहा गया है। जल्द-से-जल्द सड़कें खाली नहीं की तो टीम के साथ अभियान चलाया जाएगा।

दिल्ली में ट्रैफिक जाम पर LG संधू सख्त, तोडापुर मुख्यालय का दौरा कर दिए कड़े निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को तोडापुर स्थित दिल्ली यातायात पुलिस मुख्यालय का दौरा कर राजधानी में यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने यातायात जाम, सड़क सुरक्षा और यातायात से जुड़ी समस्याओं को कम करने के उपायों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की।

उपराज्यपाल ने यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ सड़क नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए और जाम वाले स्थानों पर पहले से प्रभावी प्रबंधन किया जाए। संधू ने सुरक्षित और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए तकनीक आधारित और नागरिक केंद्रित व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाने में आम लोगों की भागीदारी के साथ विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है। यातायात पुलिस अधिकारियों ने उपराज्यपाल को यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की जानकारी दी।

इनमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को जागरूक करने के लिए 'ट्रैफिक पाठशाला', नागरिक एजेंसियों और अन्य संबंधित पक्षों को यातायात प्रबंधन में शामिल करने के लिए 'ट्रैफिक पंचायत' और खतरनाक यातायात उल्लंघनों के खिलाफ विशेष कार्रवाई अभियान शामिल हैं।

बदरिया में बिखरे पूर्वांचल की लोक संस्कृति के, रंग, मैथिली-भोजपुरी गीतों पर झूमी दिल्ली

नई दिल्ली। मानसून की विदाई के अवसर पर तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित बदरिया कार्यक्रम में पूर्वांचल की लोक संस्कृति और परंपरा का रंग देखने को मिला। मैथिली-भोजपुरी अकादमी, दिल्ली सरकार के सहयोग से माता चकेरी देवी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। सांसद मनोज तिवारी के पारंपरिक पचरा और लोक गायिका मालिनी अवस्थी की लोकगीत प्रस्तुति ने हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांसद मनोज तिवारी ने पूर्वांचल का पारंपरिक पचरा गाकर तो लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने लोकगीत के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में पूर्वांचल की लोक संस्कृति और परंपरा का रंग भर दिया। लोक गायिका अनुराधा सिंह के भक्ति गीतों एवं विभिन्न समूहों की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके अलावा वाद्य संगीतकार शौभिक सरकार, सौरव गांगुली, संभवी पाठक, सनवी पाठक, रूपक डे, चंदन तिवारी ने भोजपुरी एवं मैथली गीतों से एकत्र जनों का मन मोह लिया।

इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि भारत की विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। देश में हर 50-60 किलोमीटर पर भाषा और बोली का स्वरूप बदल जाता है, लेकिन हमारी मूल संस्कृति एक ही है – बंधुत्व, आत्मीयता, परोपकार और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कुछ करने की भावना। यही हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है और इसी भावना को आगे बढ़ाने का कार्य ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन करते हैं।

आज 'बदरिया' का यह कार्यक्रम दूसरी बार आयोजित हो रहा है। पिछले वर्ष भी मुझे शामिल होने का अवसर मिला था। 'बदरिया' के आयोजन में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के अनेक रंग देखने को मिल रहे हैं, लेकिन इसकी विशेषता केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ नहीं हैं, बल्कि समाज के उन वर्गों की चिंता करना भी है, जो किसी कारणवश वंचित, शोषित या पीड़ित हैं।

हमारा दायित्व है कि समाज का कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला या उपेक्षित महसूस न करे। उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करें, परिवार सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें और हमारी माताएँ-बहनें स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनें। यही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर और सशक्त समाज के संकल्प का भी मूल भाव है।

गोल्ड लोन की रकम खाते में आई, अगले दिन साइबर ठगों ने उड़ाए पांच लाख

गाजियाबाद। शाहपुर बम्हेटा निवासी एक व्यक्ति के खाते में गोल्ड लोन की रकम आने के अगले ही दिन साइबर ठगों ने पांच लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित के बैंक ऑफ इंडिया खाते से दो अलग-अलग आईएमपीएस लेनदेन के जरिये दो और तीन लाख रुपये निकाले गए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि शाहपुर बम्हेटा निवासी महावीर सिंह यादव ने 27 जुलाई 2026 को बैंक से गोल्ड लोन लिया था। लोन की 4,99,410 रुपये की रकम उनके खाते में आई थी। इसके अगले दिन 28 जुलाई को खाते से बिना उनकी जानकारी के दो लेनदेन हुए।

पहले लेनदेन में आईएमपीएस के माध्यम से दो लाख रुपये और दूसरे में तीन लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। महावीर सिंह यादव का कहना है कि उन्होंने खाते से संबंधित कोई जानकारी या ओटीपी किसी के साथ साझा नहीं किया था। उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

एडीसीपी अपराध ने बताया कि रकम जिन बैंक खातों में ट्रांसफर हुई है, उनकी जांच की जा रही है। पुलिस लेनदेन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाकर मामले का जल्द खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

बैंक खाते से दो दिन में 1.59 लाख रुपये ट्रांसफर

सिहानी गेट थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के बैंक खाते से दो दिन में 1.59 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित अखिल कुमार रस्तोगी ने साइबर सेल में ऑनलाइन शिकायत की थी। पुलिस ने अब मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि अखिल कुमार के खाते से आठ जून को 84 हजार और 50 हजार रुपये ट्रांसफर हुए। इसके अगले दिन नौ जून को 25 हजार रुपये की एक और निकासी हुई।

संक्षिप्त समाचार

मराठा आरक्षण पर मनोज जरांगे की बड़ी चेतावनी : एकनाथ शिंदे की रैली का किया विरोध

जालना , एजेंसी। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शिवसेना सांसद संजय बंडू जाधव द्वारा परभणी में आयोजित किसान रैली का विरोध किया है. उन्होंने संजय बंडू जाधव को फोन कर रैली रद्द करने की चेतावनी दी. इस रैली में उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होनेवाले हैं. मनोज जरांगे ने इस आयोजन के उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए पूछा, 'जब मराठा युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो रही है, तो यह रैली क्यों की जा रही है? 'किसान रैली को रद्द करने के लिए जरांगे पाटिल द्वारा अल्टीमेटम दिए जाने पर बंडू जाधव ने भी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि आखिरी वक्त पर इस कार्यक्रम को रद्द नहीं करेंगे. इसके बाद, मनोज जरांगे ने बेहद तीखे और आक्रामक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए सांसद जाधव पर जमकर भड़ास निकाली. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने आपसे कार्यक्रम रद्द करने के लिए कहा था, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया. यह आपके जीवन की सबसे बड़ी भूल है. आपका अस्तित्व मराठा समुदाय के साथ खड़े रहने पर ही निर्भर था. मेरी बात नोट कर लीजिए, अब आपका राजनीतिक करियर ढलान पर है. अपने मंत्री और अन्य लोगों की वजह से एकनाथ शिंदे और गहरी मुसीबत में फंस गए हैं. किसानों के कार्यक्रम की आड़ में शिंदे को मूर्ख बनाया, इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।

तमिलनाडु : कांग्रेस के मंत्री की चेतावनी, राहुल को पीएम का उम्मीदवार नहीं माना गया तो वे पद से देंगे इस्तीफा

कन्याकुमारी, एजेंसी। तमिलनाडु के पर्यटन मंत्री राजेश कुमार ने चेतावनी दी है कि अगर टीवीके 2029 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तो कांग्रेस के मंत्री राज्य कैबिनेट से इस्तीफा दे देंगे. उनके इस बयान से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई. कन्याकुमारी के पास वेट्टुमानी में कांग्रेस पार्टी के कुमारी वेस्ट जिला अध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में बोलते हुए पर्यटन मंत्री राजेश कुमार ने कहा, 'राहुल गांधी 2029 के आगामी संसदीय चुनावों में अगले प्रधानमंत्री बनेंगे. पर्यटन मंत्री राजेश कुमार ने कहा, 'अगर तमिलनाडु की सहयोगी पार्टी इस बात से सहमत नहीं होती है, तो कांग्रेस पार्टी के दोनों मंत्री अपने पद पर बने नहीं रहेंगे. हमारे लिए पार्टी सबसे बड़ी है. हमारे लिए यह आंदोलन सबसे बड़ा है. अगर कांग्रेस नेतृत्व मुझसे इस पद से इस्तीफा देने के लिए कहता है, तो मैं अगले ही पल मंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दूंगा.' उन्होंने कहा, 'हर पार्टी की अलग राय हो सकती है. हर पार्टी की अपनी अलग नीति हो सकती है लेकिन कांग्रेस पार्टी के आखिरी कार्यकर्ता की भी उम्मीद राहुल गांधी ही हैं.' उनके भाषण ने तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है. पिछले साल अप्रैल में तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनावों में बहुमत न मिलने के बाद तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने कांग्रेस समेत उन पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाई, जिन्होंने डीएमके गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा था. टीवीके ने कैबिनेट में कांग्रेस और अन्य पार्टियों को भी जगह दी।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धांलि दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के स्मृति दिवस पर उन्हें विनम्र अभिवादन।' केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर लिखा, 'लोकप्रिय राजनेता, देश के पूर्व राष्ट्रपति 'भारत रत्न' प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! सार्वजनिक जीवन में शुचिता, पारदर्शिता एवं स्पष्टवादिता की प्रतिमूर्ति रहे 'प्रणब बाबू' ने राजनीति के माध्यम से राष्ट्र और समाज की जो अनुकरणीय सेवा की है, वह सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेगी।' राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पित जीवन, दूरदर्शी नेतृत्व और सार्वजनिक जीवन में उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर लिखा, 'देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न से सम्मानित श्रद्धेय प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन! राष्ट्रसेवा के प्रति उनका समर्पण, दीर्घ राजनीतिक अनुभव और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी।

कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति की ओर दिल्ली, 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण पूरा, 100 एकड़ बहुमूल्य भूमि मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने ओखला, भलस्वा और गाजीपुर के कूड़े के पहाड़ों को हटाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है. इन तीनों लैंडफिल साइट्स पर अब तक करीब 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस किया जा चुका है और कुल 100 एकड़ भूमि को रिक्लेम किया गया है. इससे इन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों को बेहतर और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिली है.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में वर्षों से लोगों के सामने कूड़े के पहाड़ एक बड़ी समस्या बने हुए थे. उनकी सरकार ने इन्हें हटाने का वादा किया था और इस वादे को पूरा करने के लिए सरकार ने एक वैज्ञानिक रोडमैप, समर्पण और टाइम-बाउंड कार्यप्रणाली के साथ काम किया. सरकार ने केवल मौजूदा कूड़े के पहाड़ों को हटाने पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा पैदा न हो, इसके लिए भी पहले से तैयारी की जा रही है.

ओखला में 35, भलस्वा में 45 और गाजीपुर में 20 एकड़ जमीन कराई खाली : मुख्यमंत्री ने बताया कि ओखला में करीब 70 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 35 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई

है. वहीं, भलस्वा में करीब 102 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 45 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है. इसी तरह गाजीपुर में करीब 44 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया गया और 20 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है. इस प्रकार तीनों साइट्स पर मिलाकर करीब 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण और 100 एकड़ भूमि का पुनरुद्धार किया गया है.

बेहतर पर्यावरण से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कचरे के पहाड़ों को हटाने का काम केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उन इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है. जो लोग इन क्षेत्रों से रोजाना गुजरते हैं, उन्हें अब बेहतर वातावरण दिखाई दे रहा है और आसपास रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है. स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा. दिल्ली जैसे देश की राजधानी में इतने बड़े पैमाने पर भूमि को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर दोबारा उपयोग योग्य बनाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. सरकार का उद्देश्य इन क्षेत्रों को अधिक स्वच्छ और रहने योग्य बनाना है.

सरकार ने की 4 नए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट बनाने की तैयारी : मुख्यमंत्री गुप्ता ने बताया कि गाजीपुर में कचरे के प्रसंस्करण के बाद निकलने वाले इनर्ट मटेरियल का भी उपयोग किया जा रहा है. इसका इस्तेमाल लो-लाइन एरिया को भरने और सड़कों के नीचे बेस तैयार करने में किया गया है. इससे कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ-साथ प्रसंस्करण से प्राप्त सामग्री का उपयोग भी सुनिश्चित हुआ है. सरकार का कार्य करने का मॉडल केवल वर्तमान समस्या का समाधान करना नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के लिए भी पहले से योजना बनाना है. इसी दिशा में दिल्ली में चार नए वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने की तैयारी पूरी कर ली गई है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्लांट्स के तैयार होने के बाद दिल्ली में प्रतिदिन पैदा होने वाले कचरे को उसी गति से प्रोसेस करने की दिशा में क्षमता विकसित होगी, ताकि कचरा लगातार जमा होकर नए कूड़े के पहाड़ का रूप न ले. सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली में रोजाना जितना कचरा पैदा हो, उसका रोजाना प्रसंस्करण सुनिश्चित किया जा सके. दिल्ली सरकार की नजर हर तरह के कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर है.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मौजूदा कूड़े के पहाड़ों को हटाने के साथ-साथ भविष्य में कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और बेहतर जीवन-परिस्थितियों वाला शहर बनाना है. दिल्ली में कूड़े के पहाड़ों को हटाने की दिशा में हुई यह प्रगति सरकार की प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिणाम है. यह इस बात का उदाहरण है कि जनता के एक वोट से सरकार की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं और ठोस काम जमीन पर दिखाई दे सकता है।

राहुल गांधी पर हल्द्वानी में एफआईआर, 'शुद्धिकरण' पर सियासी घमासान, एससी-एसटी एक्ट में दर्ज हुआ केस

हल्द्वानी , एजेंसी। उत्तराखंड में राहुल गांधी के खिलाफ हल्द्वानी में एफआईआर दर्ज की गई है। अब शुद्धिकरण को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप है कि शुद्धिकरण की घटना को जातिगत रंग देने और सामाजिक माहौल प्रभावित करने की कोशिश की गई।

श्रीराम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास ने दर्ज कराई एफआईआर : जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी के खिलाफ हल्द्वानी कोतवाली में मामला दर्ज कराया गया है। शिकायत श्रीराम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास की ओर से दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

इन धाराओं में दर्ज हुआ केस : बताया जा रहा है कि मामले में एससी-एसटी एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। इसके अलावा ब्नह्स की धारा 196 और 299 के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

शुद्धिकरण को जातिगत रंग देने का आरोप : शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि शुद्धिकरण से जुड़े मामले को जातिगत मुद्दा बनाकर पेश किया गया, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। इसी आरोप को लेकर पुलिस से शिकायत की गई और एफआईआर दर्ज कराई गई।

राजनीतिक बयानबाजी तेज होने की संभावना : एफआईआर दर्ज होने के बाद उत्तराखंड में इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने की संभावना है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और एफआईआर में लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच की जा रही है।

इस मामले में अभी राहुल गांधी की नहीं आई प्रतिक्रिया : वहीं, राहुल गांधी की ओर से इस एफआईआर और लगाए गए आरोपों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसके साथ ही न ही किसी बड़े कांग्रेसी नेता का अभी कोई बयान सामने आया है।

मल्लिकार्जुन खरगे से जुड़ा है मामला : बता दें कि 8 अगस्त 2026 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली को संबोधित किया था। इसके दो दिन बाद वहां कथित तौर पर 'शुद्धिकरण' की रस्म किए जाने का मामला सामने आया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि खरगे के दलित होने की वजह से उनके कार्यक्रम के बाद ऐसा किया गया।

राहुल गांधी ने की थी इसकी कड़ी आलोचना : राहुल गांधी ने इस घटना को छुआछूत और दलितों के अपमान से जोड़ते हुए इसकी कड़ी आलोचना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दोषियों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। दूसरी तरफ बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। बीजेपी की ओर से कहा गया कि यह किसी जातिगत भेदभाव के लिए नहीं, बल्कि मैदान की सफाई से जुड़ी कार्रवाई थी।

आंध्र प्रदेश का पहला पायलट ट्रेनिंग सेंटर: कुरनूल एयरपोर्ट से अब उड़ेंगे ट्रेनी पायलट, एयर होस्टेस के भी खुलेंगे रास्ते

कुरनूल , एजेंसी। राज्य का पहला फ्लाइट पायलट ट्रेनिंग सेंटर (विमान पायलट प्रशिक्षण केंद्र) पूरी तरह तैयार हो चुका है. प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. गठबंधन सरकार के सत्ता संभालने के तुरंत बाद, कर्नूल हवाई अड्डे पर 1.25 एकड़ भूमि मैसूर की 'ओरिएंट फ्लाइट्स एविएशन एकेडमी' को आवंटित की गई थी.

अकादमी ने प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए वहां एक इमारत का निर्माण किया है। इसने इमारत के बगल में एक आधुनिक हैंगर सुविधा भी तैयार की है। इस सुविधा में चार प्रशिक्षण विमानों को रखा जा सकता है. साइट पर एक छोटा एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) केंद्र स्थापित किया गया है. प्रशिक्षण विमानों के लिए आवश्यक मरम्मत और सर्विसिंग वहीं की जा सकती है. हवाई अड्डे के रनवे और प्रशिक्षण केंद्र के बीच प्रशिक्षण विमानों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए एक टैक्सीवे का निर्माण किया गया है. छात्रों के प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सिमुलेटर स्थापित किए गए हैं. 'ओरिएंट फ्लाइट्स एविएशन एकेडमी' चेन्नई स्थित 'हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' का हिस्सा है. यह संगठन पिछले 12 सालों से मैसूरु में ट्रेनिंग दे रहा है. अब यह कर्नूल में अपना दूसरा सेंटर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है. यह एकेडमी सेसना और टेक्नैम जैसे ब्रांडों के सिंगल-इंजन और मल्टी-इंजन वाले प्रशिक्षण विमानों का संचालन करती है.

एविएशन एकेडमी के सूत्रों ने बताया कि नागर विमानन महानिदेशालय के नियमों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग देने के लिए कुरनूल हवाई अड्डे की इस सुविधा पर लगभग 100 करोड़ की लागत से इंतजाम किए जा रहे हैं.

वर्तमान में, पायलटों के लिए क्लासरूम ट्रेनिंग कुरनूल में ही दी जा रही है. इसके बाद उन्हें प्रैक्टिकल उड़ान प्रशिक्षण के लिए मैसूरु भेजा जा रहा है. एक बार जब कर्नूल एकेडमी पूरी तरह से काम करना शुरू कर देगी, तो प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी यहीं दी जाएगी. भविष्य में, यहां ग्राउंड स्टाफ, केबिन क्रू और एयर होस्टेस जैसे पदों के लिए भी कोर्स शुरू किए जाएंगे।

दिल्ली में जंतर-मंतर से भी बड़े आंदोलन की तैयारी! दिपके ने सरकार पर लगाया गंभीर आरोप

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रमुख अभिजीत दिपके ने दावा किया है कि 5 सितंबर को दिल्ली में जंतर-मंतर से भी बड़ा आंदोलन होगा. उन्होंने कहा कि हालांकि उनकी पार्टी ने विशेष रूप से दिल्ली में इस विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है, लेकिन अन्य जगहों पर होने वाले कोई भी समर्थक प्रदर्शन इस आंदोलन को और मजबूत करेंगे. इसी बीच, सोशल मीडिया पर सोनम वांगचुक के एक बयान वाले वीडियो को लेकर काफी चर्चा हो रही है. हालांकि, दिपके का दावा है कि वीडियो में दिख रहा बयान पूरा सच नहीं है. अभिजीत दिपके ने मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन पर भी बात की. दावा किया कि सरकार के रवैये की वजह से ही जरांगे पाटिल को आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ा. फिर से आंदोलन क्यों? दिपके ने

इस बात की आलोचना की कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले आंदोलन के बाद सरकार के आश्वासन देने के बावजूद उन वादों को पूरा नहीं किया गया, जिससे एक बार फिर विरोध प्रदर्शन करना जरूरी हो गया है. आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले अभी तक वापस नहीं लिए गए हैं और न ही आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को कोई सहायता मिली है. दिपके ने कहा कि यही वजह है कि एक बार फिर मार्च निकाला जा रहा है.

दिपके ने आरोप लगाया, 'सरकार मामलों को वापस न लेने के पीछे अदालत का हवाला देती है. हालांकि, अदालत ने अपनी तैयारी दिखाई है और सरकार से सिर्फ (छात्रों की) सूची मांगी है. फिर भी सरकार सूची नहीं दे रही है.' उन्होंने दावा किया कि आगामी विरोध प्रदर्शन पिछले जंतर-मंतर आंदोलन से भी बड़ा होगा. देश के विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं, जिसमें आदिवासी छात्र भी हिस्सा ले रहे हैं. दिपके ने भरोसा जताया कि इस आंदोलन को भारी जनसमर्थन मिलेगा.

सोनम वांगचुक का पूरा वीडियो देखें : सोनम वांगचुक ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' पर संदेह जताया था और कहा था कि इन युवाओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं. इसके जवाब में अभिजीत दिपके ने लोगों से वांगचुक का पूरा वीडियो देखने की अपील की. दिपके ने कहा, 'मुझे लगता है कि आपने पूरा वीडियो नहीं देखा है. सोनम वांगचुक ने कहा है कि ये युवा हमारे द्वारा देखे गए कई राजनीतिक नेताओं से बेहतर हैं. उन्होंने यह भी जिक्र किया कि उन्हें इनमें भ्रष्टाचार का कोई संकेत नहीं दिखता. '

अभिजीत दिपके ने बात साफ करते हुए कहा, 'पूरे वीडियो में उन्होंने इन युवाओं को अच्छा और शिक्षित बताया है. इसलिए, मुझे ऐसा नहीं लगता कि उन्होंने हम पर अविश्वास जताया है।

पटना में संदिग्ध जहरीली शराब से 4 लोगों की मौत, मृतक के परिजनों से मिले मंत्री विजय सिन्हा

पटना, एजेंसी। पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत बेढ़ना गांव में हुई संदिग्ध मौतों के मामले को लेकर बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा रविवार को मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आशंका जताई कि मृतकों की मौत जहरीली शराब से हुई है। ग्रामीणों की मांग और आशंकाओं को गंभीरता से लेते हुए मंत्री विजय सिन्हा ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का निर्देश दिया, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। विजय सिन्हा ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की

जाएगी। यदि जांच में जहरीली शराब से मौत की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए बाढ़ के एसडीएम को आवश्यक निर्देश दिए हैं। मंत्री ने बताया कि उन्होंने पटना के जिलाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक से भी बातचीत कर मामले की जानकारी ली है तथा निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य में शराब के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति अवैध शराब कारोबार में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच प्रशासन लगातार मामले की निगरानी कर रहा है और विभिन्न पहलुओं पर जांच जारी है। मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है।

उन्होंने प्रशासन को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। बता दें कि पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल स्थित बेढ़ना गांव में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि शराब पीने के बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उपचार के दौरान चारों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गए हैं तथा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल कथाएं नहीं, उनमें गहन आध्यात्मिक संदेश : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्म और लोकमंगल का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं मन को आनंदित करने वाली कथाएं मात्र नहीं, बल्कि इनमें गहन आध्यात्मिक संदेश निहित हैं। मुख्यमंत्री ने सामाजिक समरसता, सामूहिक सहयोग और लोककल्याण की भावना को जीवन में उतारने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा कि मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में मथुरा के कारागार में जब नंदलाला का प्राकट्य हुआ, तब असत्य और अन्याय के अंधकार के बीच सत्य और धर्म का प्रकाश प्रस्तुतित हुआ। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं मन को आनंदित करने वाली कथाएं मात्र नहीं, बल्कि उनमें गहन आध्यात्मिक संदेश निहित हैं। माखन चोरी में सहजता और निश्चलता, गोप-गोपियों के साथ उनकी आत्मीयता में प्रेम और समरसता तथा कालिय नाग के दमन में अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश मिलता है। इस पावन अवसर पर आप सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (4 सितंबर, 2026) की हृदय से शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें बताता है कि समाज की शक्ति सामूहिक सहकारिता में निहित है। गोवर्धन पर्वत धारण कर उन्होंने प्रकृति, पशुधन और कृषि-आधारित जीवन के संरक्षण तथा सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। वृंदावन से लेकर बरसाना की राधारानी और नंदगांव की प्रेममयी स्मृतियों तक, ब्रज की धरती आज भी उस दिव्य चेतना को अपने कण-कण में संजोए हुए है। श्रीकृष्ण कुलीनता के नहीं, समरसता के प्रतीक हैं। वे समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़े रहे। वे द्वारकाधीश हैं, तो सुदामा के आत्मीय मित्र भी। सांदीपनि ऋषि के आश्रम में उन्होंने ज्ञान अर्जित किया और सुदामा के साथ उनकी मित्रता ने बताया कि सच्चे संबंध पद, प्रतिष्ठा और संपन्नता से नहीं, आत्मीयता से बनते हैं। यही समरसता, समानता और आत्मीयता आज के समाज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें लोककल्याणकारी शासन की मूल भावना की प्रेरणा भी देता है। अन्याय का प्रतिकार, धर्म की रक्षा, निर्बल का संरक्षण और लोकमंगल उनके जीवन-दर्शन के प्रमुख आधार रहे। आज इसी भाव के साथ हमारी सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है। गरीबी मुक्त उत्तर प्रदेश, प्रतिभासंपन्न निपुण युवाओं को काम, अन्नदाताओं को सहारा एवं बेटियों को बेटों के समान आगे बढ़ने का अवसर, लोककल्याण की इसी भावना को धरातल पर उतारने का प्रयास हमारी सरकार कर रही है।

योगी ने कहा कि गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का जो मार्ग दिखाया, वह केवल किसी एक युग के लिए नहीं है। दैनिक जीवन की प्रत्येक चुनौती में इससे बड़ा मार्गदर्शन शायद ही कुछ और हो। निष्काम कर्म, सत्य के प्रति निष्ठा और लोकमंगल की भावना हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती श्रीकृष्ण की लीलाओं और संदेशों की पावन भूमि है। मथुरा, गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और नंदगांव हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना के जीवंत केंद्र हैं।

बंगाल में पंडित नेहरू की मूर्ति उखाड़कर जंगल में फेंकने का आरोप, कांग्रेस ने जताया रोष

कोलकाता, एजेंसी। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की मूर्ति को उखाड़कर पास के जंगल में फेंकने के आरोपों के बाद दुर्गापुर में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है. इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस ने मूर्ति को तुरंत वापस लगाने और इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है. बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा कि यह सिर्फ मूर्ति का अपमान नहीं है, बल्कि यह घटना देश की आजादी की लड़ाई, लोकतांत्रिक विरासत और आधुनिक भारत के निर्माण के इतिहास से जुड़ी हुई है. आरोप है कि दुर्गापुर में हर्षवर्धन प्राइमरी स्कूल के पास एक मेडिटेशन सेंटर के सामने लंबे समय से लगी नेहरू की मूर्ति को क्रेन से हटाकर पास के जंगल में फेंक दिया गया. जैसे ही यह घटना सामने आई, स्थानीय राजनीतिक हलकों में हंगामा मच गया. इसके विरोध में, जिला कांग्रेस लीडरशिप ने प्रदर्शन किया और मांग की कि प्रशासन मूर्ति को उसकी असली जगह पर वापस स्थापित करे. जिला कांग्रेस अध्यक्ष देबेश चक्रवर्ती ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने जानबूझकर देश के पहले प्रधानमंत्री की मूर्ति का अपमान किया. उन्होंने कहा, 'यह भारत की आजादी की लड़ाई, हमारे इतिहास और देश की लोकतांत्रिक विरासत का घोर अपमान है.' उन्होंने सवाल किया कि क्या राजनीतिक विरोध देश के इतिहास में इतने अहम व्यक्ति की मूर्ति को तोड़कर या हटाकर कभी जताया जाना चाहिए.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

शुभंकर ने भी घटना की कड़ी आलोचना की. उन्होंने कहा, 'पंडित जवाहरलाल नेहरू सिर्फ कांग्रेस के एक नेता नहीं थे; वे एक स्वतंत्रता सेनानी, भारत के पहले प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे.' उन्होंने कहा कि नेहरू की मूर्ति को उखाड़कर जंगल में फेंकना किसी भी तरह से एक सामान्य मामला नहीं माना जा सकता. हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेहरू को लेकर राजनीतिक मतभेद कोई नई बात नहीं हैं. स्वतंत्रता के बाद नीति-निर्माण और अर्थव्यवस्था से लेकर विदेश नीति और औद्योगिकीकरण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भूमिका को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है. इसके बावजूद, कांग्रेस का यह रुख है कि स्वतंत्रता संग्राम और संवैधानिक लोकतंत्र में उनकी ऐतिहासिक भूमिका इन राजनीतिक विवादों से परे है. शुभांकर ने इस भावना को दोहराते हुए कहा, 'राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी को भी देश के पहले प्रधानमंत्री का अपमान करने का अधिकार नहीं है.

कांग्रेस ने व्यापक आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी : इतिहास को मिटाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए, कांग्रेस ने - राज्य और स्थानीय दोनों स्तरों पर - प्रशासन और पुलिस के सामने दो मुख्य मांगें रखी हैं: पहली, नेहरू की मूर्ति को उचित सम्मान के साथ उसके मूल स्थान पर तुरंत स्थापित किया जाए; और दूसरी, इस घटना में शामिल लोगों की तुरंत पहचान करके उन्हें गिरफ्तार किया जाए.

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर उसकी मांगें पूरी नहीं हुई, तो पार्टी इस मुद्दे पर व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू कर सकती है. हालांकि, दुर्गापुर पूर्व से भाजपा विधायक चंद्र शेखर बंद्योपाध्याय ने इस पूरी घटना के लिए कांग्रेस की अंदरूनी कलह को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि भाजपा का मूर्ति हटाने से कोई संबंध नहीं है और न ही वह ऐसे कृत्यों का समर्थन करती है. उनका दावा है कि बदलते राजनीतिक माहौल में, तृणमूल के कई सदस्य कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं और राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए विवाद खड़े कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रमुख सचिव ने किया सीहोर जिले के खेल परिसरों का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह द्वारा शनिवार को सीहोर जिले का भ्रमण कर जिले में संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्रों, खेल आयोजनों तथा निर्मित एवं निर्माणाधीन खेल अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया गया भ्रमण के दौरान प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह ने चर्च ग्राउंड फुटबॉल स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम, बैडमिंटन हॉल एवं वेटलिफ्टिंग हॉल सहित विभिन्न खेल परिसरों का निरीक्षण किया। उन्होंने खेल सुविधाओं की व्यवस्थाओं एवं खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रमुख सचिव ने खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े अधिकारियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जिले में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर तहसीलदार एवं सीहोर अमित सिंह, संभागीय अधिकारी रुबिका दीवान सहित खेल विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एडीएम ने श्यामपुर तहसील के नवनिर्मित भवन का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री बृजेश सक्सेना ने श्यामपुर तहसील के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न कक्षों, अभिलेखों के रखरखाव तथा आमजन से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यो का व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन को राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने तथा कार्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार श्री संतराव देशमुख, लोक सेवा प्रबंधक श्री विजय बामकले, सहायक संचालक हथकरघा श्री आकाश गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव ने कान्या खेड़ी परियोजना का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव ने कान्या खेड़ी परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के विभिन्न कार्यों एवं गतिविधियों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया तथा अधिकारियों से परियोजना की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। प्रमुख सचिव ने परियोजना से संबंधित कार्यों निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परियोजना के कार्यों में गति लाने तथा संबंधित व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर-एसपी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। सीहोर के बढ़िया खेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 3 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरु के. एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मंच, बैठक व्यवस्था, आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने अधिकारियों से कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरानएएसपी श्री प्रशांत चौबे, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

आठनेर में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में कलेक्टर डॉ सोनवणे ने किया जनसमस्याओं का समाधान

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शनिवार को मंगल भवन आठनेर में क्लस्टर स्तरीय जनविश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने ग्राम आष्टी, हिडली, मेंढाछिंदवाड, सूकी, बड़ाली, गोडी घोघरा, अम्बाड़ा, बोथी, खैरवाडा, टेमनी, तथा कोयलारी सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को अपनी शिकायतों के निराकरण के लिए दूर नहीं जाना पड़े, इसी उद्देश्य से प्रत्येक शुक्रवार को उनके नजदीकी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ उनके त्वरित निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं।शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोशनी इवने, उपाध्यक्ष श्री रामचरण इरपाचे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुषमा मनोज जगताप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश खरपूसे सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। क्लस्टर स्तरीय शिविर में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें नागरिकों द्वारा 11 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में ग्राम हिड़ली में सांदीपनी स्कूल में पेयजल एवं बाउंड्रीवॉल की समस्या संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने बीईओ एवं पीआईयू के संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने एसडीएम एवं तहसीलदार को तत्काल स्थल निरीक्षण कर पेयजल समस्या के निराकरण के सख्त निर्देश दिए। ग्राम में हैंडपंप की समस्या पर पीएचई के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बरखेड़ निवासी चंद्रकांत आवठे द्वारा अतिक्रमण संबंधी शिकायत प्रस्तुत करने पर कलेक्टर ने तहसीलदार से प्रकरण की जानकारी ली। ठानी निवासी घनश्याम चढ़ोकार द्वारा विद्युत केबल एवं पोल क्षतिग्रस्त होने की शिकायत पर एमपीईबी के अधिकारियों को समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम आष्टी निवासी रामदयाल उबनारे द्वारा जन्म प्रमाण-पत्र बनाए जाने संबंधी शिकायत पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत के संबंधित अधिकारी से जानकारी ली तथा तहसीलदार को आवेदक की समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत धामोरी के ग्रामीणों ने पंचायत द्वारा स्कूल की बाउंड्री वॉल, स्कूल छत सहित निर्माण कार्य अधूरे होने की शिकायत की। शिकायत को गंभीरता से सुन कलेक्टर ने जीआरएस रामेश्वर सातपुते को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए एसडीएम को निरीक्षण के निर्देश दिए। ग्राम जावरा में आंगनबाड़ी भवन स्वीकृत कराने संबंधी आवेदन पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जावरा में ट्रांसफार्मर के मेंटेनेंस संबंधी शिकायत पर भी एमपीईबी के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।आकाश राव द्वारा मकान संबंधी विवाद एवं अनावेदक द्वारा अपशब्दों का प्रयोग किए जाने की शिकायत पर कलेक्टर ने तहसीलदार एवं टीआई को अनावेदक के विरुद्ध बॉण्डओवर की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रकाश उच्चसरे द्वारा खाद्यान्न पर्ची संबंधी शिकायत पर कलेक्टर ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

आंगनवाड़ी भवन निर्माण के लिए स्थल चयन करने के निर्देश

शिविर में देवदास द्वारा जंगली जानवर से हुए नुकसान की शिकायत पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को एक सप्ताह में सर्वे कर प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। धनोरा में राजस्व रिकॉर्ड संबंधी आवेदनों पर कलेक्टर ने तहसीलदार को आवश्यक जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं वार्ड क्रमांक-10 में आंगनबाड़ी भवन निर्माण के आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को स्थल का निरीक्षण कर उपयुक्त स्थान का चयन करने के निर्देश दिए। ग्राम बरखेड़ में घास मद की भूमि संबंधी आवेदन पर एसडीएम को जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने देवनगर में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आज खनिज विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक कुमार पोरवाल तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गैरतगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत देवनगर में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसपी श्री आशुतोष गुप्ता भी साथ रहे।निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव श्री पोरवाल तथा कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने भवन के विभिन्न कक्षों, मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं तथा आवश्यक संसाधनों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव श्री पोरवाल तथा कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी, प्रसूति कक्ष, जांच कक्ष, दवा वितरण केंद्र, चिकित्सक कक्ष, स्टाफ रूम सहित अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध चिकित्सकीय उपकरणों, दवाइयों, चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली।उन्होंने सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री, बीएमओ डॉ संदीप यादव तथा डॉक्टर्स से कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित की जाएं और यहां आने वाले मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आसपास के गांवों के लोगों को सामान्य उपचार, जांच तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाया जाए।

कलेक्टर डॉ सोनवणे ने उद्यमियों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से किया आत्मीय संवाद

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शनिवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर में आयोजित उद्यमी संवाद कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने उद्यमियों से उनकी इकाइयों के संचालन, विस्तार, उत्पादन, बिक्री, आय तथा आवश्यक सहयोग और समस्याओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश खरपूसे एवं एसडीएम श्री अजीत मरावी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ सोनवणे ने पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत संचालित सोयाबीन प्लांट के संचालक अमन राठौर से संवाद किया। उन्होंने योजना के तहत प्राप्त ऋण, प्लांट में हो रहे उत्पादन, ब्रांडिंग एवं बिक्री की जानकारी ली। इसी तरह पशु आहार यूनिट के संचालक देवीदास मायवाड़े से संवाद करते हुए कलेक्टर ने यूनिट की उत्पादन क्षमता, लागत, आय एवं उपयोग में लाई जा रही मशीनरी की जानकारी ली। उन्होंने उद्यम के संचालन में आ रही किसी भी समस्या तथा आवश्यक सहयोग के संबंध में भी चर्चा की।

उन्होंने डेयरी संचालक विकास खाकरे से भी संवाद किया। उन्होंने डेयरी में तैयार किए जा रहे पनीर, मावा एवं घी के उत्पादन, बिक्री, आय तथा बाजार की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। इस दौरान स्व-सहायता समूह की पुष्पलता सिरसाम, कविता डांगे, कंचन इवने सहित अन्य महिलाओं ने कलेक्टर डॉ सोनवणे के समक्ष समूह द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की सेलिंग एवं बाजार उपलब्धता से संबंधित समस्या रखी। महिलाओं ने बताया कि उत्पाद तैयार करने के बाद उन्हें उचित बाजार नहीं मिल पाने के कारण बिक्री में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने समूह की समस्या को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएम के संबंधित अधिकारी से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार उत्पादों के लिए उपयुक्त बाजार एवं बिक्री के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि समूह की महिलाओं को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो।

स्व-सहायता समूह की बैठक में आ रही समस्या के निराकरण के निर्देश: स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने ग्राम पंचायत बाकुड़ एवं टेमुरनी में समूह की बैठक आयोजित करने में आ रही समस्या से कलेक्टर डॉ सोनवणे को अवगत कराया। महिलाओं ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर बैठक आयोजित करने में आवश्यक सहयोग नहीं मिल पा रहा है। जिस पर कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एसडीएम को ग्राम पंचायत सचिव को आवश्यक निर्देश जारी कर समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों के संचालन में ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक सहयोग एवं समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि समूह की महिलाएं सुचारू रूप से अपनी गतिविधियां संचालित कर सकें।

उद्यमी संवाद कार्यक्रम के दौरान स्थानीय व्यापारियों ने कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के समक्ष दुकानों के सामने फुटपाथ पर फल-सब्जी का व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं के कारण उत्पन्न समस्या से अवगत कराया। व्यापारियों ने फुटपाथ पर लगने वाली दुकानों के कारण आवागमन एवं व्यापारिक गतिविधियों में होने वाली असुविधा की जानकारी दी। कलेक्टर ने समस्या के निराकरण के लिए सीएमओ को फल-सब्जी विक्रेताओं के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर व्यवस्थित मार्केट हब विकसित करने के निर्देश दिए।

सड़क दुर्घटना में घायल महिला के लिए जिला परिवहन अधिकारी बने मददगार, समय पर अस्पताल पहुंचाकर कराया उपचार

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में जिले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में कुरवाई विकासखंड की ग्राम पंचायत तमोइया में निरीक्षण एवं भ्रमण के दौरान मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल देखने को मिली। ग्राम पंचायत तमोइया के एक ग्राम से दूसरे ग्राम की ओर जाते समय जिला परिवहन अधिकारी विदिशा श्री गिरिजेश वर्मा को सड़क किनारे एक महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में दिखाई दी। महिला सड़क दुर्घटना में घायल हुई थी और तत्काल उपचार की आवश्यकता थी। घायल की पैर (पिंडली) की हड्डी टूट गई थी एव सिर में चोट के कारण काफी खून निकल रहा था। मौके पर एंबुलेंस की तत्काल व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण जिला परिवहन अधिकारी ने बिना विलंब किए मानवीय संवेदना का परिचय दिया। उन्होंने अपने शासकीय अनुबंधित वाहन से घायल महिला को तत्काल शासकीय अस्पताल कुरवाई पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर महिला को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सका।जिला परिवहन अधिकारी की इस तत्परता से घायल महिला को दुर्घटना के बाद उपचार के लिए भटकना नहीं पड़ा और उसे समय रहते चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध हो सकी। प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ जरूरतमंद व्यक्ति की तत्काल सहायता करने की यह पहल मानवीय संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के साथ-साथ प्रशासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है। दुर्घटना में घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की यह कार्रवाई इसी भावना को प्रतिबिंबित करती है।

नागरिकों की समस्याओं का मौके पर हुआ निराकरण

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 29 अगस्त 2026 को जिले के गैरतगंज विकासखण्ड की ग्राम पंचायत देवनगर में शिविर और जनसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, खनिज विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक कुमार पोरवाल, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवेदनों का निराकरण किया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसपी श्री आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी सहित अनेक जिला अधिकारी और विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में विधायक डॉ चौधरी ने नागरिकों से संवाद करते मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के उद्देश्यों के बार में चर्चा की और उनकी समस्याएं जानीं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों, लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही शिविर में प्राप्त आवेदनों में से जिनका निराकरण मौके पर संभव था, उनका संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के निराकरण के लिए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पहले से लंबित आवेदनों पर अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने नागरिकों से भी सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

विधायक और जिला पंचायत सीईओ ने ग्रामीणों से किया जनसंवाद, समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

जनविश्वास अभियान में गांव-गांव पहुंचे अधिकारी, स्कूलों, आंगनबाडी से लेकर राशन दुकानों तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शनिवार को विदिशा जिले की कुरवाई तहसील की भौंरासा, कांकर, नाउकुण्ड, लायरा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में अधिकारियों द्वारा भ्रमण निरीक्षण किया गया एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्कूल, आंगनबाड़ी, शासकीय उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य संस्थान, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति, पशु चिकित्सालय एवं पंचायत भवनों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। नाउकुण्ड स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला के निरीक्षण के दौरान 12 बच्चे अनुपस्थित पाए गए। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुपस्थित बच्चों के घर जाकर उनके माता-पिता से चर्चा कर बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने सहकारी समिति में राशन वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। पंचायत भवन में आधार एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए बिना आधार वाले नागरिकों की सूची तैयार कर कार्ड बनवाने तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए।

उद्यम संवाद में साझा किए व्यवसाय के अनुभव : ग्राम पंचायत कांकर में उद्यम संवाद एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक श्री हरिसिंह सप्रे और जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने उद्यमियों एवं ग्रामीणों से संवाद किया। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशानुरूप नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से मिले और युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण उपलब्ध हो, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उद्यम संवाद में अमित दांगी ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से ऋण लेकर व्यवसाय शुरू करने, साजिद खान ने शासकीय योजना के माध्यम से ऑटो पार्ट्स व्यवसाय तथा राम सेवक दांगी ने उद्यानिकी विभाग की योजना से दाल उद्योग शुरू करने और सब्सिडी का लाभ लेने की जानकारी साझा की।

जनसंवाद में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

ग्राम पंचायत लायरा के पंचायत भवन में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में विधायक एवं जिला पंचायत सीईओ ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके आवेदन प्राप्त किए। ग्रामीणों ने नाली निर्माण, पीएम आवास सहित विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई कर समस्याओं का निराकरण करने तथा पात्र नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आज कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने ग्राम पंचायत लायरा के हाई स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को नि :शुल्क स्कूल बैग वितरित किए। इसके अलावा एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला नाउकुंड में भी बच्चों को स्कूल बैग प्रदान किए गए। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें नियमित रूप से प्रतिदिन स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

समय रैना के बिहारी जोक विवाद पर मनोज बाजपेयी की दो टूक बोले – खुद पर हंसना सीखें

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कॉमेडी और संवेदनशील मुद्दों पर अक्सर बहस छिड़ जाती है। हाल ही में समय रैना के शो पर हुए एक मजाक को लेकर सोशल मीडिया पर काफी हंगामा देखने को मिला था। अब इस पूरे मामले पर अपनी जड़ों से जुड़े अभिनेता मनोज बाजपेयी ने आगे आकर खुलकर बात की है और लोगों को परिपक्वता दिखाने की सलाह दी है।एक इंटरव्यू के दौरान जब मनोज बाजपेयी से समय रैना और शेरन वर्मा के बीच हुए जोक और उस पर उठे विवाद के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक बात सिर्फ हंसी-मजाक तक सीमित है, तब तक किसी को आहत होने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, अगर यह सब मजाक में है, तो मुझे वास्तव में इससे कोई आपत्ति नहीं है। हमें खुद पर हंसना सीखना चाहिए, एक-साथ मिलकर हंसना चाहिए और फिर भी आहत या अपमानित महसूस नहीं करना चाहिए। अभिनेता ने आगे कहा कि हमारे अंदर खुद पर हंसने का हुनर होना चाहिए, लेकिन साथ ही सामने वाले व्यक्ति और उसकी पृष्ठभूमि के प्रति भी पूरा सम्मान होना चाहिए।अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए मनोज बाजपेयी ने अपने शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प वाकया याद किया जब वह 18 साल की उम्र में नए-नए दिल्ली आए थे। उन्होंने बताया, जब मैं दिल्ली में था, तब मैं 18 साल का था और पहली बार बस के सामने वाले गेट से चढ़ने की कोशिश कर रहा था। मुझे शहर के नियम नहीं पता थे। ड्राइवर ने मेरी तरफ देखा और चिल्लाकर कहा ए बिहारी, पीछे वाले गेट से चढ़ो। उस समय उसे नहीं पता था कि मैं वाकई बिहार से हूं।उन्होंने आगे कहा कि उस ड्राइवर के लिए हर वो शख्स जो ऐसी नादानी कर रहा था, वह बिहारी जैसा लग रहा था। मनोज ने कहा कि उन्होंने इस बात का बुरा नहीं माना क्योंकि एक तो वह सचमुच बिहार से थे और दूसरा वह शहर में नए थे इसलिए गलती होना स्वाभाविक था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग रायों के दोस्तों के साथ रहने पर हम अक्सर एक-दूसरे की आदतों पर हंसते थे, लेकिन कभी ठेस नहीं पहुंचते थे।अपनी बात को खत्म करते हुए मनोज बाजपेयी ने जोर देकर कहा कि जब तक कोई चीज किसी समुदाय के लिए बड़ा संकट या नुकसान नहीं बन जाती, तब तक छोटी-मोटी बातों पर विवाद नहीं खड़ा करना चाहिए। उन्होंने कहा, जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक हमें एक-दूसरे पर और खुद पर हंसने की क्षमता रखनी चाहिए। यह एक बेहद स्वस्थ समाज की निशानी है। बता दें कि इस विवाद की शुरुआत इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के एक सेगमेंट से हुई थी, जहां समय रैना और शेरन वर्मा ने एक-दूसरे की पृष्ठभूमि पर हल्के-फुल्के अंदाज में कटाक्ष किए थे। दूसरी ओर, वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी जल्द ही फिल्म लास्ट मैन इन टॉवर में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन बेन राखी ने किया है और इसमें बोमन ईरानी तथा दिव्या दत्ता भी अहम भूमिकाओं में हैं।

कियारा आडवाणी का व्हाइट साड़ी लुक हुआ वायरल 78 कैरेट के रूबी नेकलेस ने खींचा सबका ध्यान

कियारा आडवाणी की गिनती बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में होती है। उन्हें अपने फैशनेबल अंदाज के लिए भी पहचाना जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस को मनीष मल्होत्रा के डिजाइन किए गए एक आउटफिट में देखा गया। आप मेरे साथ फीट के साथ उन्होंने रुबी नेकलेस पहना था जिसमें उनका लुक बहुत ही कमाल का लग रहा था। एक्ट्रेस ने बहुत ही खूबसूरत सी सफेद शिफॉन साड़ी पहनी थी। जिस पर रूबी का नेकलेस उन्हें परियों की किसी राजकुमारी की तरह लुक दे रहा था। सादगी से भरा लेकिन यह स्टनिंग अंदाज फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहा। फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से कियारा आडवाणी का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें एक्ट्रेस ने सफेद रंग की शिफॉन साड़ी पहन रखी है। इसे उन्होंने बहुत ही सिंपल तरीके से ड्रेप किया था। साड़ी का पल्लू हाथ और कंधे के ऊपर था। फिट कॉरसेट ब्लाउज के साथ यह काफी अच्छी लग रही थी। डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला यह डिजाइन सॉफ्ट और मॉडर्न दोनों ही टच देने का काम कर रहा था। डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक्ट्रेस के लुक के बारे में पूरी जानकारी शेयर की है। वीडियो शेयर करते हुए डिजाइनर ने लिखा खूबसूरत कियारा आडवाणी, इन्होंने एक लहराती हुई सफ़ेद शिफॉन साड़ी पहनी है। इसके साथ उन्होंने एक क्लासिक नेकलेस पहना है, जिसमें 78 कैरेट से ज़्यादा मोज़ाम्बिक और बर्मी रूबी जड़े हैं। यह नेकलेस गहरे लाल फूलों की तरह दिखता है, जिसे हीरे जड़ी पत्तियों के डिज़ाइन से खूबसूरती से सजाया गया है और इसे 18ज्य सोने में तैयार किया गया है। उनकी इस पोस्ट पर कई सारे कमेंट देखने को मिल रहे हैं। एक्ट्रेस की यह साड़ी तो बहुत सुंदर लग ही रही थी लेकिन इस लोक में सबसे ज्यादा चर्चा उनके स्टेटमेंट रुबी नेकलेस की हो रही है। मनीष मल्होत्रा न्यू जो जानकारी दी है उसके मुताबिक इस नेकलेस में 78 कैरैट से ज्यादा के मोजाम्बिक और बर्मीज रूबी का इस्तेमाल किया गया है, इन्हें गोल्ड में फ्रेम किया गया है। व्हाइट साड़ी पर जरूरी काफी सुंदर लग रहा है। अपने इस लुक के साथ कियारा ने बालों के डीप साइड पार्टिंग कर रखी थी। स्मोकी आईज, डिफाइंड आइब्रो, सॉफ्ट रोज़ लिप मेकअप उनके ओवरऑल लुक को सुंदर बना रहे थे। एक्ट्रेस की साड़ी और ज्वेलरी दोनों ही बहुत ग्लैमरस थी इसके बावजूद भी उनका लुक काफी सिंपल नजर आ रहा था।

जैकलीन से जलती थीं नोरा फतेही

सुकेश की वायरल चिट्ठी में चौंकाने वाले दावे

200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार उनके साथ एक्ट्रेस नोरा फतेही भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर सुकेश चंद्रशेखर के नाम से लिखी गई एक चिट्ठी वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने नोरा फतेही को लेकर कई गंभीर और चौंकाने वाले दावे किए हैं। इस कथित चिट्ठी में सुकेश ने नोरा और जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े अपने विवाद का भी जिक्र किया है। सुकेश ने अपने पत्र में दावा किया है कि नोरा फतेही उनके और जैकलीन फर्नांडिस के कथित रिश्ते से जलती थीं। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि नोरा उन्हें लगातार फोन किया करती थीं और बार-बार जैकलीन से दूरी बनाने के लिए कहती थीं। सुकेश के इन दावों के बीच यह चिट्ठी ऐसे समय सामने आई है, जब नोरा ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में इस पूरे विवाद के कारण उन्हें हुई मानसिक परेशानी और तनाव के बारे में बात की थी।

कथित तौर पर सामने आई चिट्ठी में सुकेश ने दावा किया कि नोरा फतेही उन्हें दिनभर फोन किया करती थीं। उनके मुताबिक, नोरा बार-बार उनसे कहती थीं कि वह जैकलीन को छोड़ दें और उनके साथ रिश्ता खत्म कर लें। सुकेश ने यह भी दावा किया कि नोरा उनसे अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए कहती थीं।चिट्ठी में सुकेश ने कथित तौर पर यह भी आरोप लगाया कि नोरा उनसे महंगे गिफ्ट्स की मांग करती थीं। उन्होंने बीएमडब्ल्यू और रेंज रोवर जैसी लग्जरी कारों के साथ-साथ महंगे बैग्स की मांग किए जाने का दावा किया है। हालांकि, ये सभी बातें सुकेश चंद्रशेखर की ओर से किए गए दावे हैं और इन्हें स्वतंत्र रूप से तथ्य के तौर पर स्थापित नहीं माना जाना चाहिए।सुकेश ने अपनी कथित चिट्ठी में नोरा को लेकर एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मोरक्को के कैसाब्लांका में नोरा के लिए एक घर खरीदने के लिए कथित तौर पर करोड़ों रुपये दिए थे। पत्र में उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए नोरा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।सुकेश ने कथित तौर पर नोरा को यह चेतावनी भी दी कि वह खुद को पीड़ित दिखाने का कथित नाटक बंद करें। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि उनके पास दोनों के बीच हुई बातचीत से जुड़े और भी सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अगर उन्हें उकसाया गया तो वह इन बातचीत और सबूतों को सार्वजनिक कर सकते हैं।सुकेश की कथित चिट्ठी सामने आने के बाद नोरा फतेही का हालिया पॉडकास्ट इंटरव्यू भी चर्चा में आ गया है। इस बातचीत में एक्ट्रेस ने उस विवाद के दौरान झेली गई मानसिक परेशानी के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया था कि विवाद और लगातार सामने आने वाली खबरों का उनकी मानसिक स्थिति पर असर पड़ा था।अब सुकेश की ओर से सामने आई इस कथित चिट्ठी ने एक बार फिर पुराने विवाद को चर्चा में ला दिया है। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हालांकि, चिट्ठी में किए गए आरोपों को लेकर संबंधित पक्षों के बयानों और उपलब्ध आधिकारिक रिकॉर्ड को ही अंतिम आधार माना जाना चाहिए।

इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज हो रहीं 10 नई फिल्में-सीरीज

इस वीक ओटीटी पर एंटरटेनमेंट का जबरदस्त पिटारा खुल रहा है. दरअसल ताम प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग जॉनल की कई फिल्में और सीरीज रिलीज हो रही हैं इनमें %गंधारी%, %बिग बॉस 20%, कोरियन कनकराजु से लेकर 'धमाल 4' तक शामिल है . इसी के साथ ओटीटी सब्सक्राइबर्स को जबरदस्त ड्रामा, कॉमेडी, सुपरनैचुरल ट्विस्ट और रियलिटी शो के कड़े चैलेंज देखने को मिलेंगे, जिससे ये पूरा वीक काफी मजेदार रहने वाला है. तो चलिए यहां 31 अगस्त से 6 सितंबर तक ओटीटी के तमाम प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही फिल्मों और सीरीज की पूरी लिस्ट जान लेते हैं.

धमाल 4

अजय देवगन की कॉमेडी एडवेंचर फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है. खबरें हैं कि ये फिल्म 4 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी. इंद्र कुमार निर्देशित धमाल 4 में अजय देवगन के अलावा अरशद वारसी, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा सहित कई कलाकार अहम रोल में नजर आएंगे. हांलाकि मेकर्स द्वारा इसकी ओटीटी रिलीज डेट कंफर्म होना अभी बाकी है.

बिग बॉस 20

मोस्ट कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस अपने बीसवें सीजन के साथ कमबैक कर रहा है. सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो में सर्वाइवल टास्क, चुनौतियां, अनोखे रहस्य और गेम के नए तौर-तरीके देखने को मिलेंगे. बिग बॉस 20 जियो हॉट स्टार पर 6 सितंबर से देख सकेंगे.

गांधारी

तापसी पन्नू की एक्शन-थ्रिलर गांधारी एक दृष्टिहीन मां की कहानी है, जो अपनी अगवा की गई बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक चली जाती है. इस जबरदस्त फिल्म को नेटफ्लिक्स पर 3 सितंबर से देख सकते हैं.

कोरियन कनकराजु

यह तेलुगु हॉरर-कॉमेडी और एक्शन फिल्म ग्रामीण आंध्र प्रदेश की संस्कृति और कोरियन सुपरनैचुरल एलीमेंट्स का ब्लेंड है. इसकी कहानी कनकराजु (वरुण तेज) नाम के एक गुस्सैल युवक की है, जिसे चैत्रा (रितिका नायक) से प्यार हो जाता है. चैत्रा एक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में काम करती है और दक्षिण कोरिया जाने का सपना देखती है. इसे नेटफ्लिक्स पर 4 सितंबर से देख सकेंगे.

द कोर्ट

यह एक तमिल वेब सीरीज है जो याझिनी (योगलक्ष्मी का किरदार) नाम की एक होनहार युवा वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जो हकलाने की समस्या से जूझ रही है. वह एक अदालती लड़ाई में फँस जाती है, जहां उसे अपने ही पिता के खिलाफ खड़ा होना पड़ता है. इसे भी 4 सितंबर से जियो हॉट स्टार पर स्ट्रीम किया जा सकता है.

जगमे संगीतम

प्राइम वीडियो की अपनी हिंदी ओरिजिनल सीरीज़ बंदिश बैंडिट्स से इंस्पायर आठ एपिसोड वाला यह तेलुगु म्यूजिकल ड्रामा गोदावरी नदी के किनारे बसे पवित्र मंदिर शहर वैकुंठपुरम पर बेस्ड है. बालू (अक्षय लगुसानी), शास्त्री गारू (प्रकाश राज) का प्रतिभाशाली पोता है. शास्त्री गारू एक सम्मानित कर्नाटक संगीतकार हैं, जिनका प्रभाव बालू के हर काम पर दिखता है. जब बालू की मुलाक़ात कविता (सुष्मिता शेट्टी) से होती है, जो शोहरत से ऊब चुकी एक पॉप सिंगर है तो उनके बीच एक अनोखा रिश्ता बनता है। यह रिश्ता शास्त्री की उस सदियों पुरानी विरासत के लिए खतरा बन जाता है, जिसे बचाने में उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी लगा दी थी. इसमें मेका श्रीकांत, मधुबाला, सुमन, सिजू मेनन और शफ़ी भी अहम भूमिकाओं में हैं. इसे 4 सितंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम कर सकेंगे.

उन्मदम

मलयालम फिल्म उन्मदम 4 सितंबर, 2026 से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी. इसमें कुंचाको बोबन और लिजोमोल जोस मुख्य भूमिकाओं में हैं. इसकी कहानी शेली के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक निराश सिविल पुलिस अधिकारी है और साथ ही स्क्रीनराइटर बनने का सपना भी देखता है. अपनी स्क्रिप्ट के लिए एक आइडिया की तलाश करते समय, वह एक युवा महिला की रहस्यमयी मौत से जुड़े एक पुराने केस को फिर से खोलने का फैसला करता है.

द जेंटलमैन सीजन 2

द जेंटलमैन सीजन 2 को 3 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है. गाय रिची की बनाई यह क्राइम कॉमेडी-ड्रामा सीरीज़, अमीर परिवार के सदस्य एडी और उसके परिवार की जागीर से जुड़ी अजीबोगरीब क्रिमिनल दुनिया की कहानी को आगे बढ़ाती है. इस शो में क्राइम, डार्क ह्यूमर और मुश्किल हालात देखने को मिलते हैं, जिसमें किरदार अपने हितों की रक्षा करने की कोशिश करते हैं.

लव सिक

1910 के दशक में मेक्सिको की राजनीतिक क्रांति के दौर पर आधारित यह सात एपिसोड का पीरियड ड्रामा, एक ताकतवर परिवार की युवा महिला वियोलेटा (रेनाटा वाका) की कहानी है। उसकी ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब उसे एमिलियानो (जुआन पाब्लो फुएंटेस) से प्यार हो जाता है. इसे नेटफ्लिक्स पर 2 सितंबर से स्ट्रीम कर सकते हैं.

टर्निंग पॉइंट- जनरेशन 9/11

11 सितंबर के हमलों के 5 साल बाद, आधे से ज़्यादा अमेरिकी या तो 2001 के बाद पैदा हुए थे या इतने छोटे थे कि उन्हें वे हमले याद नहीं थे. फिर भी, उस एक दिन का असर आज भी उनकी ज़िंदगी को साफ़ और छिपे हुए, दोनों तरह से प्रभावित कर रहा है. ब्रायन नैपेनबर्गर की मशहूर डॉक्यूमेंट्री सीरीज़ टर्निंग पॉइंट की यह चौथी फिल्म है. ये उन लोगों की नजर से उस लंबे असर को दिखाती है जिन्होंने इसे झेला है. ये नेटफ्लिक्स पर 2 सितंबर से स्ट्रीम होगी।

दलीप ट्रॉफी में वैभव ने 7 चौके...7 छक्के जड़े

57 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड तोड़ा?

बंगलूरू (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के वैभव सूर्यवंशी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 81 गेंद में 92 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने सात चौके और सात छक्के लगाए। इस दौरान वैभव ने दलीप ट्रॉफी में पिछले 57 साल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और लक्ष्मण सिंह को पीछे छोड़ा।

दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी का कहर देखने को मिला है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव सेंट्रल जोन के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे हैं। उन्होंने 81 गेंद में सात चौके और सात छक्के की मदद से 92 रन की पारी खेली और शतक से चूक गए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 113.58 का रहा। इस पारी के साथ ही वैभव ने 57 साल पुराना भारतीय घरेलू क्रिकेट का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। साथ ही अफगानिस्तान की टीम को आगामी टी20 सीरीज से पहले चेतावनी भी दी है।

ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन का था मुकाबला

दरअसल, बंगलूरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा था। सेंट्रल जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 266 रन बनाए। जवाब में ईस्ट जोन की पहली पारी जारी है। टीम ने 161 रन पर दो विकेट गंवाए। ईस्ट जोन के लिए अभिमन्यू ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी के लिए उतरे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 161 रन की साझेदारी निभाई। वैभव ने सेंट्रल जोन के गेंदबाज आर्यन पांडेय, यश ठाकुर, अरशद खान और सारांश जैन की जमकर धुनाई की। हालांकि, वह हर्ष दुबे की गेंद पर अरशद को कैच थमा बैठे। हर्ष ने फिर कुमार कुशाग्र का भी विकेट लिया। कुशाग्र खाता नहीं खोल सके। खबर लिखे जाने तक ईश्वरन अर्धशतक लगाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। वहीं, उनके साथ सुदीप कुमार घरामी क्रीज पर हैं।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज से बाहर

जांघ में चोट है; अक्टूबर में टेस्ट सीरीज खेलना संदिग्ध

सिडनी(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। उनकी दाएं पैर की जांघ (हैमस्ट्रिंग) में चोट लगी है। रबाडा की चोट का असर साउथ अफ्रीका के वर्ल्ड टेस्ट

चैंपियनशिप टाइटल के बचाव अभियान पर पड़ सकता है। क्योंकि, रबाडा के अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया से होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर संदेह है। अफ्रीकी भाषा की वेबसाइट रैपोर्ट ने रबाडा के लायंस टीम के बॉलिंग कोच एलन डोनाल्ड के हवाले से चोट को लेकर नई जानकारी दी है।21 अगस्त को क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने बताया था कि इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रेनिंग के दौरान रबाडा चोटिल हो गए।

दावा- 9-10 हफ्ते मैदान से बाहर रहेंगे

अफ्रीकी वेबसाइट से कोच ने कहा- 'हमारे फिजियो ने बताया है कि दाईं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-3 टियर के कारण वे 9 या 10 हफ्ते बाहर रहेंगे।' अगर यह जानकारी सही है, तो रबाडा अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका के तीनों या ज्यादातर टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।21 अगस्त से 10 हफ्ते 16 अक्टूबर को पूरे होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को खेले जाएंगे।

यूएस ओपन-24 ग्रैंड स्लेम चैंपियन

जोकोविच पहले राउंड में बाहर

● मैच में उल्टी हुई, दवा ली, 49वीं रैंकिंग प्लेयर मारियानो ने 4.36 घंटे में हराया

यूएस (एजेंसी)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के वर्ल्ड नंबर-49 मारियानो नवोने ने पांच सेट के मुकाबले में 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया।

इसके साथ ही जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद जोकोविच भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक सके।यह मुकाबला 4 घंटे 36 मिनट तक चला, जो ग्रैंड स्लैम में जोकोविच के करियर का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड मैच रहा। 39 साल के जोकोविच ने शुरुआती तीन सेट में से दो जीते, लेकिन 25 साल के नवोने ने आखिरी दो सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पहली बार पहले राउंड में हारे

जोकोविच के लिए यह यूएस ओपन के इतिहास में पहली बार है, जब वे टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले वे कभी भी पहले राउंड में नहीं हारे थे।जोकोविच 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार है,जब वे किसी ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में बाहर हुए हैं।

मैच के दौरान तबीयत बिगड़ी

जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो सेट जीतकर बढ़त बना ली थी। हालांकि, मुकाबले के अंतिम चरण में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।मैच के दौरान उन्हें उल्टी करते देखा गया। उन्होंने इनहेलर का इस्तेमाल किया और दवा भी ली। इसके अलावा, वे बार-बार स्ट्रेचिंग करते नजर आए। साथ ही पीठ और पैर में परेशानी से जूझते दिखे।

मारियानो नावोने अर्जेंटीना के एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 27 फरवरी 2001 को हुआ था। नावोने ने तीन साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया। 2024 फ्रेंच ओपन में नावोने को 31वीं वरीयता दी गई थी, उसी से उन्होंने ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया।

मेदवेदेव यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

डेनियल मेदवेदेव ने स्र ओपन के पहले दौर में ह्यूगो गैस्टन को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 2 घंटे 14 मिनट चला। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने करियर में आठवीं बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर में मेदवेदेव का सामना अमेरिकी वाइल्ड कार्ड सेबेस्टियन गोर्जनी और राफेल कोलिग्नन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

एशिया कप में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

● महिला टी20 क्रिकेट में टॉप विकेटकर बनीं ● भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 94 रनों से हराया। भारत के लिए इस मैच में शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नंदिनी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने विमेंस टी-20 एशिया कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में थाईलैंड 160 रन चेज करते हुए 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई। 150वां मैच खेल रहीं दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर भी बन गई। नंदनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली शर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर होगा।

भारत ने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए

रविवार को टीम इंडिया मजबूत शुरुआत के बावजूद 159 रन ही बना सकी थी। उसने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए।इससे पहले टीम की टॉप-3 बैटर्स ने 105 रन बनाए। इनमें स्मृति मंधाना के 22, शेफाली वर्मा के 64 और प्रतिका रावल के 22 रन शामिल रहे। थाईलैंड की ओर से सुलेपॉर्न लाओमी ने 3 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, क्रांति गौड और नंदनी शर्मा।

थाईलैंड- अपिसरा सुवानचोनराठी, फन्निता माया, नन्नापत कोनचारोएनकाई (विकेटकीपर), नत्थाकन चन्थम, चनिदा सुथिरुआंग, नाओमी हैमिल्टन, सुलेपॉर्न लाओमी, नन्नाफट चाइहान, सुनीदा चतुरोंगरत्तना, ओननिचा कामचोम्फू और थिपाचा पुथावोंग (कप्तान)।

इंडिया टीम के कैप्टन को हिमाचल में मान्यता नहीं

स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने शब्द के सर्टिफिकेट ठुकराए; नेशनल वैलिड, इंटरनेशनल नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में खेल प्रतिभाओं को लेकर स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट का एक अजीब नियम चर्चा में है। वॉलीबॉल में नेशनल स्तर के सर्टिफिकेट को सरकारी नौकरी के लिए मान्यता दी जा रही है, जबकि इंटरनेशनल स्तर के सर्टिफिकेट को मान्य नहीं माना जा रहा।

यानी जिस खिलाड़ी ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला, उसके इंटरनेशनल सर्टिफिकेट की खेल विभाग की नजर में कोई मान्यता नहीं है। इस नियम को लेकर खेल विभाग की कार्यप्रणाली और स्पोर्ट्स पॉलिसी पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, हिमाचल के बिलासपुर जिला के 17 वर्षीय होनहार वॉलीबॉल खिलाड़ी शब्द गौतम ने छोटी उम्र में ही देश के लिए चार इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं। चीन में तीन दिन पहले संपन्न अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर खेलकर लौटे हैं। फिर भी हिमाचल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट की नजरों में वर्ल्ड चैंपियनशिप का सर्टिफिकेट सरकारी नौकरी के लिए मान्य नहीं है।

बीसीसीआई ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर टीमों से राय मांगी

10 फ्रेंचाइजियों के जवाबों से तय होगा, आईपीएल 2027 में नियम बदलेगा या नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों से राय मांगी है। टीमों को सोमवार, 31 अगस्त तक अपनी राय देने को कहा गया है। कुछ महीने पहले बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने संकेत दिया था कि आईपीएल 2026 के बाद इस नियम की समीक्षा की जाएगी।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेंचाइजियों से क्रिकेट संचालन से जुड़े कई मुद्दों पर सुझाव मांगे गए हैं। इनमें इम्पैक्ट प्लेयर नियम के अलावा पीएमओए, अंपायरिंग, प्रैक्टिस सेशन और खेलने की शर्तें भी शामिल हैं। हालांकि, इम्पैक्ट प्लेयर नियम सबसे अहम मुद्दा बना हुआ है।

रोहित-विराट समेत कई खिलाड़ी कर चुके विरोध- इम्पैक्ट

प्लेयर नियम की रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत कई प्रमुख भारतीय क्रिकेटर आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना है कि इससे गेंदबाजों की भूमिका और टी-20 क्रिकेट में बल्ले-बॉल के संतुलन पर असर पड़ता है।

हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मई में नियम का बचाव किया था। उन्होंने आईपीएल में कम स्कोर वाले मैचों का उदाहरण देते हुए कहा था कि सभी मुकाबले हाई-स्कोरिंग नहीं रहे और गेंदबाजों को भी अच्छी विकेट मिली हैं।सैकिया ने कहा था, सब कुछ हो रहा है,यह एक पैकेज में पूरा गुलदस्ता है।

फ्रेंचाइजियों की राय के बाद होगा फैसला

सैकिया ने हाल ही में कहा था कि अगर फ्रेंचाइजियां इस नियम को लेकर चिंता जताती हैं, तो बोर्ड इस पर दोबारा विचार करने के लिए तैयार रहेगा। अब सभी 10 टीमों से राय मिलने के बाद बीसीसीआई इन सुझावों की समीक्षा करेगा। बोर्ड इसके आधार पर तय करेगा कि आईपीएल 2027 से पहले इम्पैक्ट प्लेयर नियम में किसी बदलाव की जरूरत है या नहीं। फिलहाल नियम लागू है, लेकिन फ्रेंचाइजियों की राय अगले सीजन में इसके भविष्य को लेकर अहम हो सकती है।

भारत-बांग्लादेश सीरीज के लिए नई तारीख तलाश रहे बीसीसीआई-बीसीबी

अगस्त-सितंबर के 3 वनडे और 3 टी-20 फिलहाल टले

नईदिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तमिम इकबाल ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ टली हुई सीरीज के लिए नई तारीख तलाशने पर बातचीत चल रही है। भारत को अगस्त-सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने थे, लेकिन सीरीज फिलहाल टाल दी गई है।

तमिम ने यूट्यूब चैनल 'नॉट आउट नोमान' से कहा, भारत सीरीज नहीं होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है।

दोनों बोर्ड सीरीज कराने के लिए बातचीत में जुटे

तमिम ने कहा, मैं आपको एक छोटी जानकारी देना चाहता हूं। दोनों बोर्ड इस सीरीज को कराने को लेकर बहुत गंभीर हैं। बीसीसीआई और बीसीबी दोनों नई तारीख तलाश रहे हैं कि इसे कब कराया जा सकता है।उन्होंने आगे कहा, हम लगभग एक तारीख को लेकर भी सोच रहे हैं कि क्या उस समय सीरीज हो सकती है या नहीं। अगर मुझे लगता कि मंशा नकारात्मक है, तो आज मैं आपसे यह नहीं कहता कि देखते हैं क्या होता है, हमें उम्मीद है।उन्होंने कहा, मंशा अच्छी है और हम लगातार बातचीत कर रहे हैं। तारीखों पर भी काम किया जा रहा है, क्योंकि बांग्लादेश भी व्यस्त है और भारत भी व्यस्त है।

सीरीज 2024 में होनी थी- दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई और बीसीबी के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। सुरक्षा बड़ा इश्यू- तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की।

उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरने पर सीरीज संभव- भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों देशों के राजनीतिक संबंध सुधरते हैं, तो मैच का रास्ता साफ होगा।

मुस्तफिजुर के हटाने पर रिश्तों में तनाव- आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने बीसीसीआई के कहने पर बांग्लादेश के ऑलराउंडर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटा दिया था।इसके बाद अमीनुल इस्लाम की अगुआई में बीसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया था। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर की थी।

पाकिस्तान लॉर्ड्स में 16 साल बाद टेस्ट मैच हारा

इंग्लैंड 194 रन से जीता, रॉबिन्सन को 8 विकेट; सीरीज में 2-0 की बढ़त

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को लॉर्ड्स टेस्ट में 194 रन से हरा दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पाकिस्तान 389 रन का पीछा करते हुए चौथे दिन 194 रन पर ऑलआउट हो गया।

सऊद शकील ने पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 97 रन बनाए। ओली रॉबिन्सन ने दूसरी पारी में 4 विकेट लिए और मैच में कुल 8 विकेट हासिल किए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।पाकिस्तान 2010 के बाद पहली बार लॉर्ड्स में हारा। इससे पहले टीम ने 2016 और 2018 में यहां लगातार दो टेस्ट जीते थे। इंग्लैंड में पाकिस्तान की आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 1996 में आई थी।

14 रन पर 3 विकेट गंवाए- पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 14 रन पर ही अजान अवैस, अब्दुल्ला शफीक और बाबर आजम के विकेट गंवा दिए। बाबर 8 गेंदों पर 6 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद सऊद शकील और शान मसूद ने पारी संभाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की और करीब चार घंटे तक इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान किया।

शकील ने 54 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि, जोश टंग की शॉर्ट गेंद पर डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर 97 रन पर आउट हो गए।

रॉबिन्सन ने 8 विकेट लिए- ओली रॉबिन्सन ने दूसरी पारी में 4/24 का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले टेस्ट की पारी में भी 4 विकेट लिए थे, यानी मैच में उनके नाम 8 विकेट रहे। जोफ्रा आर्चर ने दूसरी पारी में 2 और जोश टंग ने 3 विकेट लिए। रॉबिन्सन ने इस प्रदर्शन के साथ टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड भी बनाया। 23 टेस्ट में उनके 99 विकेट हो गए हैं और उनका गेंदबाजी औसत करीब 19.5 है, जो पिछले 100 साल में कम से कम 20 टेस्ट खेलने वाले गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के 19.79 के औसत से बेहतर है।

अब्बास ने लॉर्ड्स में पहली बार 5 विकेट लिए- पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास ने दूसरी पारी में 22 ओवर में 57 रन देकर 5 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने 4 विकेट लिए थे, यानी मैच में उनके नाम 9 विकेट रहे।36 साल 173 दिन की उम्र में 5 विकेट लेकर अब्बास लॉर्ड्स में टेस्ट की एक पारी में ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज एशियाई गेंदबाज बन गए। उन्होंने भारत के वीनू मांकड़ का 74 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। मांकड़ ने 1952 में 35 साल 71 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया।

सार समाचार

हाईकोर्ट के आदेश को नहीं मानती मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल :-आठ साल पहले हाईकोर्ट ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के खाली पद भरने के लिए पांच साल की समयसीमा तय की थी। अदालत ने स्पष्ट कहा था कि बड़े पैमाने पर अतिथि शिक्षकों को लगाकर स्थायी व्यवस्था नहीं की जा सकती, इसलिए नियमित भर्ती के जरिए पद भरे जाएं। इसके बावजूद प्रदेश के स्कूलों की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। आज भी करीब 70 हजार अतिथि शिक्षक सेवाएं दे रहे हैं। स्थायी भर्ती नहीं होने से अभ्यर्थियों और अतिथि शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। शिक्षक भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी और अतिथि शिक्षक मुख्य रूप से 20 से 30 वर्ष की आयु के हैं। जनवरी से अब तक भोपाल समेत कई स्थानों पर प्रदर्शन हो चुके हैं। उनका कहना है कि सरकार हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए जल्द स्थायी भर्ती प्रक्रिया शुरू करे।

मध्य प्रदेश के चीफ जस्टिस बनेंगे कोगजे

भोपाल :-गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को उनके नाम की सिफारिश की है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में करीब तीन महीने से स्थायी मुख्य न्यायाधीश नहीं है। 2 जून 2026 से जस्टिस विवेक रूसिया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर काम संभाल रहे हैं। जस्टिस कोगजे ने वर्ष 1993 में वकालत शुरू की थी और गुजरात दंगों से जुड़े कई मामलों में पैरवी की है। वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को नियमित मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के. अग्रवाल को भी नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश हुई है।

बिना बीमा वाले वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

भोपाल :-मध्यप्रदेश में बिना वैध बीमा सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों पर सरकार शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है। अब बिना बीमा वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देने की व्यवस्था लागू की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष जस्टिस (रिटायर्ड) अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में हुई बैठक में इस नई व्यवस्था को हरी झंडी दी गई। प्रदेश में कुल करीब 1.75 करोड़ पंजीकृत वाहनों में से लगभग 35 प्रतिशत यानी करीब 61 लाख वाहन बिना वैध बीमा के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। बैठक में तय किया गया कि पहले एक जिले में इसका पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। सफलता मिलने के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। सड़क हादसों में मौतों को कम करने के लिए संचालित जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम का दायरा भी 6 से बढ़ाकर 9 जिलों तक किया गया है। इसमें अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन भी शामिल हैं।

सत्ता के लिए विपक्ष का यूसीसी होगा चुनावी हथियार

भोपाल :-मध्य प्रदेश की सियासत में अब चुनावी समीकरण को लेकर गर्माहट शुरू हो चली है। एक और ओरछा में बीजेपी का महामंथन जारी है तो दूसरी ओर कांग्रेस भी चुनावी मुद्दों को लेकर सक्रिय हो चली है। इलेक्शन मोड के दौरान कांग्रेस सामान्य नागरिक संहिता के खिलाफ बड़ा कैंपेन खड़ा करेगी। साथ ही लोगों से वादा किया जाएगा कि यदि कांग्रेस की सरकार बनी तो ष्ट को खत्म किया जाएगा।दरअसल, यूसीसी के मुद्दे पर विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। कांग्रेस ने यूसीसी को एक पक्षीय करार दिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद, दिग्विजय सिंह समेत कई कांग्रेसी दिग्गज यूसीसी की खिलाफत कर रहे हैं। पार्टी का मानना है कि असमानता का कानून है। जो प्रदेश का बड़ा मुद्दा होगा। इसे चुनाव समेत अपनी चुनावी रणनीति में प्रमुखता से शामिल किया जाना भी तय है।समानता के नाम पर असमानता, असमाजिकता का कानून- कांग्रेसकांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता डॉ विक्रम चौधरी ने कहा कि सामान्य नागरिक संहिता से संविधान की हत्या का रास्ता निकाला गया है। न सिर्फ धार्मिक स्वतंत्रता को बाधित करने वाला यह कानून है बल्कि संविधान की मूल विचारधारा समानता के भी विपरीत है। एक पार्टी, एक निशान, एक झंडा, एक संविधान की बात करने वाली बीजेपी जातिगत मतभेद का बड़ा प्रपंच रच रही है। लिहाजा पार्टी इन्हें इलेक्शन पॉलिटिकल स्ट्रेटजी में शामिल करेगी।तुष्टिकरण के नाम कांग्रेस, उन्हें चाहिए तीन तलाक के बाद हलाल - बीजेपीवहीं कांग्रेस की इस कवायद पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है और करना चाहती है। कांग्रेस तीन तलाक हलाला और अल्पसंख्यक वर्ग के भले के लिए कभी बात नहीं करना चाहती। कांग्रेस का सच जनता के सामने है, जिसका जवाब बीते लोकसभा, विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को मिलता रहा है।

ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक निर्धारित समय पर अस्पताल पहुंचें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों की निर्धारित समय पर उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित की जाए। इसके लिए अस्पतालों में निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ चिकित्सकों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की नियमित मॉनीटरिंग की जाए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता सीधे तौर पर मरीजों के उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से जुड़ी है। इसलिए ड्यूटी में लापरवाही या निर्धारित समय पर अनुपस्थिति को लेकर प्रभावी निगरानी आवश्यक है।बैठक में विभाग में चल रही विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। श्री शुक्ल ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक विशेषज्ञ मानव संसाधन उपलब्ध हो सके।

भोपाल-इंदौर-उज्जैन में लागू होगा जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम

एमपी में सडक हादसों पर सरकार का बड़ा प्लान

भोपाल । मध्य प्रदेश में सडक दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सरकार अब हादसों के कारणों की गहराई से पड़ताल कर सुधारात्मक कदम उठाएगी। प्रदेश के धार, सतना, रीवा, सागर, जबलपुर और खरगोन में संचालित ह्यजीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्टह्न कार्यक्रम का विस्तार अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन तक किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान करना है, जहां बार-बार हादसे हो रहे हैं। प्रत्येक दुर्घटना के स्थान, कारण और परिस्थितियों का विश्लेषण कर संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके बाद सडक की डिजाइन, यातायात व्यवस्था और जन-जागरूकता से जुड़े सुधार किए जाएंगे।

मंत्रालय में सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में हुई बैठक में सडक सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। न्यायमूर्ति सप्रे ने दुर्घटनाओं और मौतों में प्रभावी कमी लाने के लिए ह्यफोर ईह्न इंजीनियरिंग, इमरजेंसी केयर, एनफोर्समेंट और एजुकेशन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। सडक सुरक्षा योजनाओं के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान करने पर भी जोर दिया गया।

फिटनेस सेंटर की जांच में मिली बड़ी गड़बड़ी

सडक सुरक्षा समीक्षा के दौरान भोपाल के बायपास स्थित ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण में एक वाहन की फिटनेस प्रक्रिया के दौरान गंभीर विसंगति सामने आई। फिटनेस तकनीशियन ने वाहन को पास बताया, लेकिन सिस्टम में वही वाहन हेडलाइट और हॉर्न की कमी के कारण फेल दिखाई दे रहा था। इस पर समिति अध्यक्ष ने आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया कि जब तक वाहन की पूरी जांच की रिपोर्ट सिस्टम में अपडेट नहीं हो जाती, तब तक उसे फिट घोषित नहीं किया जाना चाहिए। फिटनेस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और निर्धारित जांच पूरी किए बिना किसी अनफिट वाहन को फिट घोषित नहीं करने के निर्देश दिए गए।

पशुओं से होने वाले हादसों पर भी बनेगी योजना

सडकों पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर समितियां बनाने का सुझाव दिया गया है। इन समितियों में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने और बेहतर काम करने वालों को प्रोत्साहन राशि देने पर विचार होगा। इसके लिए लघु और दीर्घकालीन योजनाएं बनाकर उन्हें समय-सीमा में लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीमा नहीं तो ईंधन नहीं का पायलट

गैर-बीमित वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए प्रदेश के एक जिले में ह्यबीमा नहीं तो ईंधन नहीं व्यवस्था का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। सबसे अधिक गैर-बीमित वाहनों वाले जिले का चयन होगा। पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाए जाएंगे और उन्हें वाहन पोर्टल से जोड़ा जाएगा, ताकि बिना बीमा वाले वाहनों की पहचान कर उन्हें ईंधन देने से रोकने की व्यवस्था की जा सके।

छह महीने में 800 मौतें कम होने का दावा

प्रदेश में सडक दुर्घटनाओं में औसतन हर साल करीब 13 हजार लोगों की मौत होती है। हालांकि, 2026 के पहले छह महीनों में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में सडक हादसों में होने वाली मौतों में करीब 800 की कमी दर्ज की गई है। शहरी क्षेत्रों में दुर्घटना के बाद घायल को अस्पताल पहुंचाने में औसतन 16 मिनट लग रहे हैं, जिसे और कम करने पर जोर दिया गया है।

राशन दुकानों पर अब अफसरों की नजर

भोपाल। भोपाल में सरकारी राशन दुकानों की व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों की उचित मूल्य दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। जरूरत के मुताबिक दुकानों के स्थान बदलने की कार्रवाई भी की जाएगी, ताकि हितग्राहियों को परेशानी न हो। सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई समय-सीमा समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित शिकायतों के निराकरण में लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं करने पर कोलार तहसील के तहसीलदार और नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग और जिला शिक्षा अधिकारी को समन्वय कर आंगनवाड़ी केंद्रों को निकटवर्ती स्कूलों में सह-स्थापित करने की कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल निपटारा नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का अगला शिविर बैरसिया नगर पालिका क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। प्रशासन ने शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

---

40 करोड़ श्रद्धालुओं पर हाईटेक निगरानी; उज्जैन में बनेगा कमांड सेंटर

सिंहस्थ 2028 की सुरक्षा में पहली बार सेना की एंट्री

भोपालः- सिंहस्थ 2028 में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना के बीच मध्य प्रदेश सरकार सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक बनाने की तैयारी में है। इस बार दुनिया के बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल सिंहस्थ की सुरक्षा व्यवस्था में भारतीय सेना का तकनीकी सहयोग लिया जाएगा। महू स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) उज्जैन में भीड़ और अपराध प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक तकनीकी सिस्टम उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा। सिंहस्थ जैसे विशाल जनसमूह वाले आयोजन में भारतीय सेना के तकनीकी संसाधनों और विशेषज्ञता का इस्तेमाल पहली बार किए जाने की तैयारी है। इसके लिए उज्जैन में एक कमांड सेंटर विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है, जहां विभिन्न तकनीकी प्रणालियों से मिलने वाले इनपुट की निगरानी की जा सकेगी।के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग और एमसीटीई महू के बीच नवंबर 2025 में अनुबंध हुआ था। इसके बाद दो दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। इन बैठकों में एमसीटीई ने सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन और अपराध नियंत्रण के लिए अपनी तकनीक उपलब्ध कराने पर सहमति दी थी।

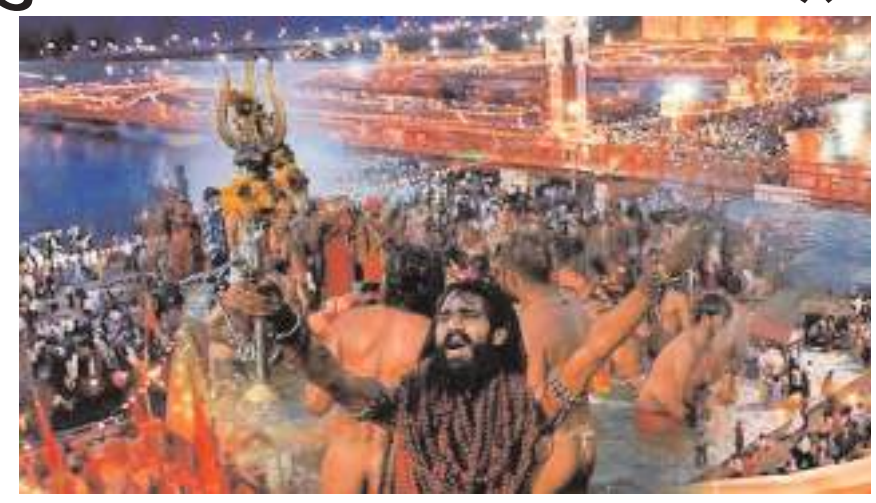

वाहन की पहचान कुछ सेकंड में

एमसीटीई के पास मौजूद व्हीकल रिकग्निशन सिस्टम सिंहस्थ की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एआई आधारित इस सिस्टम के जरिए कैमरे वाहन का नंबर पढकर उपलब्ध डेटाबेस से उसका मिलान कर सकेंगे।

साइबर हमले से भी सुरक्षित रहेंगे सिस्टम

सिंहस्थ में बड़ी संख्या में आईटी उपकरण, कैमरे और डिजिटल सिस्टम इस्तेमाल किए जाएंगे। ऐसे में साइबर सुरक्षा भी बड़ी चुनौती होगी। एमसीटीई का साइबर सुरक्षा सिस्टम इन तकनीकी उपकरणों को हैकिंग और साइबर खतरों से सुरक्षित रखने में मदद करेगा।

चेहरे से संदिग्धों पर नजर

सुरक्षा व्यवस्था में फेस रिकग्निशन सिस्टम के इस्तेमाल की भी तैयारी है। इसके जरिए कैमरों से प्राप्त तस्वीरों का उपलब्ध रिकॉर्ड से मिलान कर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान में सहायता ली जा सकती है।

प्रयागराज से लिया जाएगा तकनीकी अनुभव

प्रयागराज सिंहस्थ में भी बड़े पैमाने पर एआई और स्मार्ट सर्विलांस तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। वहां संदिग्ध और अपराधियों की पहचान के लिए एआई आधारित फेस रिकग्निशन तकनीक का उपयोग किया गया।

एमपी में बज गया चुनावी बिगुल, नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव 29 सितंबर को

8 सितंबर से नामांकन, 15 सितंबर तक आवेदन, 3 अक्टूबर को आ जाएंगे अधिकांश नतीजे

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों के रिक्त पदों के लिए उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को मतदान कराया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया 8 सितंबर से शुरू होगी। आयोग ने सोमवार को उपचुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव के मुताबिक 8 सितंबर को उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन पत्र जमा होने शुरू हो जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 15 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है। 16 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि उम्मीदवार 18 सितंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। नगरीय निकायों में मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। पंचायतों के लिए मतदान का समय सुबह से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

इतने पदों पर होगा चुनाव

पंचायत उपचुनाव के तहत जिला पंचायत के 7, जनपद पंचायत के 28 और सरपंच के 110 पदों के लिए मतदान होगा। इसके अलावा 4,090 पंच पदों पर भी चुनाव कराया जाएगा। नगरीय निकायों में नगर परिषद सुसनेर, नगर पालिका टीकमगढ़ और नगर परिषद कुक्षी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। इसके साथ ही अलग-अलग नगरीय निकायों में 26 पार्षद पदों के लिए भी मतदान कराया जाएगा। इनमें इंदौर नगर निगम के वार्ड 58 और 60, ग्वालियर नगर निगम का वार्ड 5 तथा सागर नगर निगम का वार्ड 11 सहित अन्य रिक्त वार्ड शामिल हैं।

3 और 5 अक्टूबर को आएंगे परिणाम

पंच पद के लिए मतगणना मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद संबंधित मतदान केंद्र पर ही की जाएगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए विकासखंड मुख्यालय पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतगणना होगी। सरपंच और जनपद पंचायत सदस्य के चुनाव की मतगणना 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से होगी और इसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। जिला पंचायत सदस्यों के परिणाम 5 अक्टूबर को घोषित होंगे। इस तरह उपचुनाव के साथ प्रदेश में स्थानीय स्तर पर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज होने की संभावना है।

कर्नल सोफिया मामले में विजय शाह को बड़ी राहत

राज्यपाल ने अभियोजन की अनुमति न देने के कैबिनेट प्रस्ताव पर लगाई मुहर

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को बड़ी राहत मिली है। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने राज्य मंत्रिमंडल के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसमें विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की अनुमति नहीं देने की सिफारिश की गई थी। सोमवार देर रात इस पर राज्यपाल की स्वीकृति मिलने की जानकारी सामने आई। दरअसल, 25 अगस्त को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की अनुमति नहीं देने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके बाद प्रस्ताव को राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा गया था। अब राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद इस मामले में सरकार की ओर से अभियोजन की अनुमति नहीं दी गई है। यह मामला उस विवादित टिप्पणी से जुड़ा है, जो विजय शाह ने 11 मई 2025 को इंदौर जिले के महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान की थी। ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में की गई उनकी टिप्पणी को लेकर व्यापक विवाद हुआ था। इसके बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ त्र्क्क दर्ज करने के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। शीर्ष अदालत के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, जिसने मामले की क्लोजर रिपोर्ट का रास्ता खुला 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया था कि विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की अनुमति का प्रस्ताव राज्यपाल के पास भेजा गया है। इसी सुनवाई के दौरान एसआईटी के अधिकारी ने कहा था कि यदि कैबिनेट की ओर से अभियोजन की अनुमति नहीं मिलती है तो जांच एजेंसी अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर सकती है। अब राज्यपाल की मंजूरी के बाद विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं मिली है। ऐसे में आगे एसआईटी की ओर से मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल किए जाने की संभावना है।

विकास और बुनियादी ढांचे को मिलेगी नई गति, मंत्रि-परिषद ने 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को दी मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास, बुनियादी ढांचे और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में लगभग 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। ग्रामीण विकास के लिए ह्यविकसित भारत (ग्रामीण): वीबी जी राम जी विकसित भारत जी राम जी योजनाह्न के क्रियान्वयन हेतु 29 हजार 619 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया।

दुग्ध उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से 2 हजार 973 करोड़ रुपये की डेयरी विकास योजना स्वीकृत की गई। इससे प्रदेश में दुग्ध उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में पश्चिम भोपाल बायपास के 35.61 किलोमीटर लंबे 4-लेन मार्ग के निर्माण के लिए 3 हजार 774 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। वहीं मेहलुआ-बीना-खिमलासा-मालथौन मार्ग के 67.116 किलोमीटर लंबे 4-लेन मार्ग के निर्माण के लिए 3 हजार 272 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आरजीपीवी का पुनर्गठन कर भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तीन पृथक प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य संस्थाओं में मशीन एवं उपकरणों के अनुरक्षण के लिए 488.41 करोड़ रुपये तथा चिकित्सा संस्थानों की विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 915.77 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

इसके अलावा मैहर, मऊगंज और पांढुर्णा में सामाजिक न्याय विभाग के जिला कार्यालयों के लिए 21 पद तथा निवाड़ी, मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर में जिला आयुष कार्यालयों के संचालन के लिए 20 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई। किसानों के हित में पंजीकृत कृषकों से मूंग उपज के 60 प्रतिशत तक उपार्जन किए जाने के निर्णय का भी अनुसमर्थन किया गया।

मप्र में दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक संबल प्रदान करने 2,973 करोड़ की योजना मंजूर

26 हजार गांवों तक फैलेगा सहकारी डेयरी नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक संबल प्रदान करने और डेयरी उद्योग के विकास को नई ऊंचाई पर ले जाने के उद्देश्य से राज्य कैबिनेट ने 2,973 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि के विशेष पैकेज को मंजूरी प्रदान की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूध उत्पादन, संकलन और प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) क्षमता का विस्तार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार स्वीकृत कुल राशि में से केवल दूध प्रसंस्करण क्षमता को आधुनिक बनाने और बढ़ाने के लिए 1,547 करोड़ रुपये का अलग से प्रावधान किया गया है। सरकार ने अगले पांच वर्षों के भीतर प्रदेश में सहकारी दुग्ध समितियों के नेटवर्क का अभूतपूर्व विस्तार करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में जहां सहकारी दुग्ध समितियों का दायरा केवल 7,331 गांवों तक सीमित है, वहीं योजनाबद्ध तरीके से इसे बढ़ाकर 26 हजार गांवों तक ले जाया जाएगा। इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे और सीमांत दुग्ध उत्पादक किसानों को सीधे सहकारी नेटवर्क से जोडकर उनके उत्पादों का सही मूल्य दिलाना आसान होगा। संकलन, प्रसंस्करण और बिक्री क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोतरी का लक्ष्य कैबिनेट द्वारा मंजूर की गई इस दूरगामी योजना के तहत डेयरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं-दूध के दैनिक एकत्रीकरण की क्षमता को वर्तमान 12 लाख किलोग्राम से बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम प्रतिदिन करने का लक्ष्य है। दूध की प्रोसेसिंग क्षमता को मौजूदा 17.8 लाख लीटर से बढ़ाकर 63.3 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुंचाया जाएगा। उपभोक्ताओं तक शुद्ध दूध पहुंचाने के लिए पैकेटबंद दूध की दैनिक बिक्री को 7 लाख लीटर से बढ़ाकर 35 लाख लीटर प्रतिदिन करने का विजन तैयार किया गया है।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)